भक्तकवि नरसिंह महेता विश्वविद्यालय–खडिया(जूनागढ–गुजरात)

चॉइस बेइज केडिट सिस्टम (CBCS)

अनुस्नातक

हिन्दी पाठ्यक्रम

सत्र : १ से २

हिन्दी विषय के अनुस्नातक कक्षा के छात्रों के लिळ जुन, २०१८ से अमलीकृत

भक्तकवि नरसिंह महेता विश्वविद्यालय–खडिया(जूनागढ–गुजरात)

भक्तकवि नरसिंह महेता विश्वविद्यालय–खडिया(जूनागढ–गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

अनुस्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम वर्ष – २०१८

क्रम	कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	कुल अंक	पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम							
	स्नातक अनुस्नातक		अनिवार्य मुख्य गौण–१ गौण–२							वर्ष	विद्याशाखा	विषय	पाठ्यक्रम ईकाई	कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम (पेपर)क्रमांक	विकल्प
१	अनुस्नातक	प्रथम	मुख्य	प्राचीन हिन्दी काव्य	०१	०४	३०	७०	१००	१८	०१	०३		०२	१	०१	१
२	अनुस्नातक	प्रथम	मुख्य	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल)	०२	०४ ०४	३०	७०	१००	१८	०१	०३		०२	१	०२	१
३	अनुस्नातक	प्रथम	मुख्य	भाषा विज्ञान (सैद्धांतिक)	०३	०४ ०४	३०	७०	१००	१८	०१	०३		०२	१	०३	१
४	अनुस्नातक	प्रथम	मुख्य	भारतीय साहित्य – १	०४	०४	३०	७०	१००	१८	०१	०३		०२	१	०४	१
				वैकल्पिक प्रश्नपत्र													
४	अनुस्नातक	प्रथम	मुख्य	हिन्दी महिला लेखन	०४	०४	३०	७०	१००	१८	०१	०३		०२	१	०४	२
				वैकल्पिक प्रश्नपत्र													
६	अनुस्नातक	प्रथम	मुख्य	तुलनात्मक साहित्य : सैद्धांतिक – १	०४	०४	३०	७०	१००	१८	०१	०३		०२	१	०४	२
७	अनुस्नातक	प्रथम	मुख्य	विशिष्ट विधा का अध्ययन (हिन्दी उपन्यास–१)	०४	०४	३०	७०	१००	१८	०१	०३		०२	१	०४	१
				वैकल्पिक प्रश्नपत्र													
८	अनुस्नातक	प्रथम	मुख्य	दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन – १	०४	०४	३०	७०	१००	१८	०१	०३		०२	१	०४	२
९	अनुस्नातक	द्वितीय	मुख्य	मध्यकालीन हिन्दी काव्य	०६	०४	३०	७०	१००	१८	०१	०३		०२	२	०६	१
१०	अनुस्नातक	द्वितीय	मुख्य	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	०७	०४	३०	७०	१००	१८	०१	०३		०२	२	०७	१
११	अनुस्नातक	द्वितीय	मुख्य	हिन्दी भाषा (व्यावहारिक)	०८	०४	३०	७०	१००	१८	०१	०३		०२	२	०८	१
१२	अनुस्नातक	द्वितीय	मुख्य	भारतीय साहित्य – २	०९	०४	३०	७०	१००	१८	०१	०३		०२	२	०९	१
				वैकल्पिक प्रश्नपत्र													
१३	अनुस्नातक	द्वितीय	मुख्य	हिन्दी का दलित साहित्य	०९	०४	३०	७०	१००	१८	०१	०३		०२	२	०९	२
				वैकल्पिक प्रश्नपत्र													
१४	अनुस्नातक	द्वितीय	मुख्य	तुलनात्मक साहित्य (सैद्धांतिक–२)	०९	०४	३०	७०	१००	१८	०१	०३		०२	२	०९	२
१५	अनुस्नातक	द्वितीय	मुख्य	विशिष्ट विधा का अध्ययन (हिन्दी उपन्यास–२)	१०	०४	३०	७०	१००	१८	०१	०३		०२	२	१०	१
				वैकल्पिक प्रश्नपत्र													
१६	अनुस्नातक	द्वितीय	मुख्य	दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन – २	१०	०४	३०	७०	१००	१८	०१	०३		०२	२	१०	२

भक्तकवि नरसिंह महेता विश्वविद्यालय–खडिया(जूनागढ–गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

अनुस्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१८

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	प्राचीन हिन्दी काव्य								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१८	०१	०३		०२	१	०१	१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी								

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०१	मुख्य	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- ☐ छात्रगण आदिकालीन काव्यों का परिचय प्राप्त करें ।
- ☐ छात्र पृथ्वीराज चौहाण की वीरता, धीरता, विवेक एवं मर्यादा को विस्तार से जाने ।
- ☐ प्रस्तुत पाठ्यक्रम द्वारा छात्रगण राष्ट्रीय कवि अमीर खुसरो के बारे में विस्तार से जानें ।
- ☐ प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अध्येता अमीर खुसरो की पहेलियाँ, मुकरियों का ज्ञान प्राप्त करें ।
- ☐ छात्रगण आल्हा और उदल नामक वीरों की वीरता को विस्तार से जानें ।
- ☐ प्रस्तुत पाठ्यक्रम द्वारा छात्रगण हिन्दी मुसलमान कवियों और उनके साहित्य के बारे में ज्ञान प्राप्त करें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय		अंक		क्रेडिट	
				नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
अनुस्नातक	ईकाई–१	– चंदबरदाई : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'रासो' परम्परा में पृथ्वीराज रासो का स्थान	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें. प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें. प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	०५	०५
		– 'पृथ्वीराज रासो' का कथानक	– 'कयमास वध' का कथासार				
		– 'कयमास वध' के चरित्रों का चरित्रांकन	– 'कयमास वध' का काव्य–स्वरूप				
		– 'कयमास वध' की काव्यगत विशेषताऐँ	– 'कयमास वध' में निरूपित युद्ध वर्णन				
		– 'कयमास वध' की ऐतिहासिकता	– 'कयमास वध' में व्यक्त पृथ्वीराज की विरह–वेदना				
	ईकाई–२	– अमीर खुसरो : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– अमीर खुसरो का काव्य–सौष्ठव				
		– अमीर खुसरो के काव्य में व्यक्त संवेदनाऐँ	– अमीर खुसरो के काव्य की काव्यगत विशेषताऐँ				
		– भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'अमीर खुसरो' के काव्य का मूल्यांकन	– अमीर खुसरो की पहेलियों में व्यक्त विचारधारा				
		– अमीर खुसरो के काव्य में व्यक्त आदिकालीन साहित्यिक प्रवृत्तियाँ	– अमीर खुसरो के काव्य में व्यक्त प्रेमानुभूति				
		– अमीर खुसरो की मुकरियाँ	– अमीर खुसरो के काव्य में व्यक्त लोक–परम्पराऐँ				
	ईकाई–३	– जगनिक : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– रासो परम्परा में 'परमाल रासो' का स्थान			०५	०५
		– परमाल रासो का कथानक	– जगनिक कृत 'आल्हाखण्ड' का कथासार				
		– भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'आल्हाखण्ड' का मूल्यांकन	– 'आल्हाखण्ड' का काव्य–स्वरूप				
		– 'आल्हाखण्ड' का महाकाव्य	– लोक–परम्परा में 'आल्हाखण्ड' का स्थान				
		– 'आल्हाखण्ड' की लोक–प्रियता	– 'आल्हाखण्ड' में व्यक्त सांस्कृतिकता				
		– 'आल्हाखण्ड' में व्यक्त शौर्य एवं वीरता का वर्णन	– 'आल्हाखण्ड' में नीति एवं कर्तव्य				
	ईकाई–४	– अब्दुल रहमान : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'रासो' परम्परा में 'संदेश रासक' का स्थान				
		– 'संदेश रासक' काव्य का कथासार	– भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'संदेश रासक' का मूल्यांकन				
		– 'संदेश रासक' काव्य की काव्यगत विशेषताऐँ	– 'संदेश रासक' काव्य की ऐतिहासिकता				
		– 'संदेश रासक' काव्य में व्यक्त विरह–वर्णन	– 'संदेश रासक' काव्य का कथारूप				
		– 'संदेश रासक' काव्य में व्यक्त श्रृंगारिकता	– 'संदेश रासक' काव्य में व्यक्त मनोविज्ञानिकता				
		कूल अंक एवं क्रेडिट		७०	७०	०५	०५

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी इक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप				समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१२ आलोचनात्मक प्रश्न				२:३०	०४	१४	४६
	११ संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी)	- 'कयमास वध' की भाषा	- अमीर खुसरो की भाषा	- 'आल्हाखण्ड' की छन्द योजना		०		
		- 'कयमास वध' की अलंकार योजना	- अमीर खुसरो के काव्य की शैली	- 'आल्हाखण्ड' की अलंकार योजना		२	०७	१४
		- 'कयमास वध' में प्रकृति चित्रण	- अमीर खुसरो की गजल	- 'आल्हाखण्ड' में उक्ति-वैचित्र्य	- 'संदेश रासक' की छन्द योजना			
		- 'कयमास वध' काव्य की छन्द योजना	- अमीर खुसरो के भक्ति संबंधी पद	- 'आल्हाखण्ड' की भाषा शैली	- 'संदेश रासक' की अलंकार योजना			
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)				२:३०			७०

सूचना :
- नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र समान रहेगा ।
- प्रश्नपत्र का समय २:३० घंटे का रहेगा ।
- नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : कयमास वध - चंदबरदाई
संपादक : डॉ.गंगाप्रसाद गुप्त
प्रकाशक : साहित्य-सदन, झांसी

पाठ्य पुस्तक : अमीर खुसरो
संपादक :
प्रकाशक

पाठ्य पुस्तक : आल्हाखण्ड
संपादक : नगवीक
प्रकाशक : ठाकुर प्रसाद पुस्तक भण्डार, मुम्बई

पाठ्य पुस्तक : अब्दुल रहमान कृत संदेश रासक
संपादक : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, विश्वनाथ त्रिपाठी
प्रकाशक : राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

(१) पृथ्वीराज रासो : भाषा और साहित्य, डॉ. नामवरसिंह, प्र. राधाकृष्ण प्रकाशन, प्रा१ लि१, ७१२३, अंसारी रोड, दरियागंज, दिल्ली .

(२) हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृतियाँ - शिवकुमार वर्मा

(३) हिन्दी साहित्य का इतिहास - सं. डॉ. नगेन्द्र

(४) हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास - राजनाथ शर्मा

(५) विद्यापति की काव्य-साधना - देशराजसिंह भाटी, हिन्दी साहित्य संसार, दिल्ली

(६) विद्यापति : अनुशीलन एवं मूल्यांकन - संपा१ डॉ. वीरेन्द्र श्रीवास्तव, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना - ३

(७) हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि - डॉ. पण्डित बन्ने- विद्या प्रकाशन, कानपुर

(८) पृथ्वीराज रासो एवं आल्हखण्ड साहित्यिक विवेचन - प्रो१ महेन्द्रकुमार सीजु - विद्या प्रकाशन, कानपुर

(९) विद्यापति पदावली का समीक्षात्मक अध्ययन – कल्पना पटेल– विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१०) आदिकालीन धार्मिक रसकाव्य परम्परा एवं प्रवृतियाँ – डॉ. कृष्णा जून – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(११) हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि – डॉ. पण्डित बन्ने– अमन प्रकाशन, इलाहाबाद
(१२) पृथ्वीराजरासों एवं आल्हखण्ड का साहित्यिक विवेचन – प्रो१ महेन्द्रकुमार सीजु – अमन प्रकाशन, इलाहाबाद

भक्तकवि नरसिंह महेता विश्वविद्यालय-खडिया(जूनागढ-गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

अनुस्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम

वर्ष - २०१८

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल)								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१८	०१	०३		०२	१	०२	१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी बाह्य परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०१	मुख्य	०४	३०	७०	-	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- ☐ प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अध्ययन से अध्येता मानव चित्तवृत्तियों की विकसित परंपरा के साथ साहित्य परंपरा के विकास को जानें ।
- ☐ छात्रगण हिन्दी साहित्य के इतिहास के अध्ययन से भारतीय जीवन मूल्यों का परिचय प्राप्त करें ।
- ☐ हिन्दी साहित्य के इतिहास के अध्ययन से छात्रगण भारतीय भाषा, साहित्य एवं संस्कृति की अस्मिता को जानें ।
- ☐ छात्रगण हिन्दी साहित्य के इतिहास के अध्ययन से साहित्यिक संवेदना को विस्तार से समझे ।
- ☐ हिन्दी साहित्य के इतिहास के अध्ययन से अध्येता राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक आर्थिक एवं साहित्यिक हलचलों से अवगत होगा ।
- ☐ छात्रगण हिन्दी साहित्य के इतिहास को पढ़कर साहित्य-स्वरूपों की बदलती प्रक्रिया को भी विस्तार से जानें ।
- ☐ प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अध्ययन से अध्येता इतिहास के विभिन्न काल-खण्डों की प्रवृत्तियों कल विस्तार से जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय		अंक		क्रेडिट	
				नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
अनुस्नातक	ईकाई-१	- इतिहास दर्शन और साहित्येतिहास	-हिन्दी साहित्य के इतिहास का कला-विभाजन, सीमा-निर्धारण और नामकरण	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे. प्रश्न × अंक ०४ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगे. प्रश्न × अंक ०४ × १४ = ७०	०४	०४
		-हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन परम्परा	-आदिकालीन परिस्थितियाँ				
		-इतिहास लेखन की आधारभूत सामग्री	-आदिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियाँ				
		-साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ	-आदिकालीन बौद्ध-सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रसो साहित्य, रास साहित्य, कागु काव्य, चतुष्पदी साहित्य, रासक साहित्य, जैनेतर साहित्य, पुराण काव्य, गद्य काव्य एवं अन्य काव्य				
	ईकाई-२	-पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) युगीन परिस्थितियाँ	-ज्ञानमार्गी (संतशाखा) के प्रमुख एवं गौण कवि				
		-भक्ति-आन्दोलन	-प्रेममार्गी (सूफी शाखा) की प्रमुख काव्य प्रवृत्तियाँ				
		-भक्तिकाल की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ	-प्रेममार्गी (सूफी शाखा) की प्रमुख एवं गौण कवि				
		-भक्तिकाल की प्रमुख काव्यधाराऐं	-ज्ञानमार्गी काव्यधारा और प्रेममार्गी काव्यधारा की तुलना				
		-ज्ञानमार्गी (संतशाखा) की प्रमुख काव्य-प्रवृत्तियाँ	-भक्तिकाल का सुवर्ण-युग के रूप में मूल्यांकन				
	ईकाई-३	-सगुण काव्यधारा की प्रमुख काव्य-प्रवृत्तियाँ	-कृष्णमार्गी काव्यधारा की प्रमुख एवं गौण कवि			०४	०४
		-राममार्गी काव्यधारा की प्रमुख काव्य-प्रवृत्तियाँ	-निर्गुण एवं सगुण काव्यधारा की तुलना				
		-राममार्गी काव्यधारा की प्रमुख एवं गौण कवि	-राम-कृष्ण काव्येत्तर काव्य, भक्तितर काव्य				
		-कृष्णमार्गी काव्यधारा की प्रमुख काव्य-प्रवृत्तियाँ	-भक्तिकालीन गद्य-साहित्य				
	ईकाई-४	-उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की परिस्थितियाँ	-रीतिकाल की काल-सीमा और नामकरण				
		-रीतिकालीन दरबारी संस्कृति और लक्षण-ग्रंन्थों की परम्परा	-रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराऐं				
		-रीतिकालीन साहित्य की प्रमुख काव्य-प्रवृत्तियाँ	-रीतिबद्ध साहित्य की प्रमुख काव्य-प्रवृत्तियाँ				
		-रीतिबद्ध काव्यधारा के प्रमुख एवं गौण कवि	-रीतिमुक्त काव्यधारा की प्रमुख काव्य-प्रवृत्तियाँ				
		-रीतिमुक्त काव्यधारा के प्रमुख एवं गौण कवि	-रीतिसिद्ध काव्यधारा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ				
		-रीतिसिद्ध काव्यधारा के प्रमुख एवं गौण कवि	-रीतिबद्ध काव्यधारा एवं रीतिमुक्त काव्यधारा की तुलना				
		-रीतिकालीन भक्ति साहित्य एवं गद्य-साहित्य	-रीतिकालीन उर्दू-साहित्य				
			कूल अंक एवं क्रेडिट	७०	७०	०४	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी इक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कूल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप				समय	कूल प्रश्न	अंक	कूल अंक
अ	१२ आलोचनात्मक प्रश्न				२:३०	०४	१४	४६
	१२ संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी)	– विद्यापति	– रहीम के नीति-विषयक दोहे	– आदिकालीन लोक-साहित्य	– रीतिकालीन ब्रजभाषा काव्य	०२	०७	१४
		– अष्टछाप	– भूषण की राष्ट्रीयता	– हिन्दी का अपभ्रंश साहित्य				
		– रसखान की कृष्णभक्ति	– इतिहास का अर्थ एवं स्वरूप	– हिन्दी का लोक-नायकत्व				
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)				२:३०			७०

सूचना :
– नियमित एवं बाहय परिक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र समान रहेगा ।
– प्रश्नपत्र का समय २:३० घंटे का रहेगा ।
– नियमित एवं बाहय परिक्षार्थी के लिए पाठ्यकम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : हिन्दी साहित्य का इतिहास
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्रकाशक : वासुकी कृपा ओफसेट, राजकोट

संदर्भ ग्रंथ :

(१) हिन्दी साहित्य का इतिहास – आ. रामचंद्र शुक्ल
(२) हिन्दी साहित्य का इतिहास – सं. डॉ. नगेन्द्र
(३) हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ – शिवकुमार शर्मा
(४) हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास – रामनाथ शर्मा
(५) हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
(६) हिन्दी साहित्य का इतिहास – दर्शन : डॉ. आनंद नारायण शर्मा, प्र.अनुपम प्रकाशन, पटना कॉलेज के सामने, पटना
(७) हिन्दी साहित्येतिहास : परंपरागत दृष्टिकोण एवं नये सिद्धांत – डॉ. गणपीतचंद्र गुप्त
(८) हिन्दी साहित्य परिवर्तनवादी परम्परा – डॉ. पोतहार, डॉ. खराटे , गावीत – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(९) भक्तिकाल के प्रमुख कवियों का पुनर्मूल्यांकन – डॉ. ओमप्रकाश त्रिपाठी – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१०) हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. रमेशचंद्र शर्मा – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(११) मध्ययुगीन हिन्दी साहित्य में धर्मनिरपेक्षता – डॉ. कृष्णा पोतहार – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१२) रास साहित्य का लोकतात्विक अध्ययन – डॉ. शिवाजी देवरे – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१३) भक्ति आन्दोलन और मध्यकालीन हिन्दी भक्तिकाव्य (आलोचना)– डॉ. हरिशंकर दुबे – अमन प्रकाशन, कानपुर
(१४) हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. माधव सोनटक्के – अमन प्रकाशन, कानपुर
(१५) हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. ईश्वरदत्त शील – अमन प्रकाशन, कानपुर
(१६) हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. रामचन्द्र शुक्ल – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(१७) हिन्दी का प्रवृत्ति परक इतिहास – सभापति मिश्र – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(१८) हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. विजयपाल सिंह – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(१९) हिन्दी साहित्य का नया इतिहास – डॉ. देवेन्द्रप्रताप सिंह – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२०) हिन्दी साहित्य अतीत और वर्तमान – त्रिभुवननाथ शुक्ल – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२२) आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – त्रिभुवननाथ शुक्ल – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२४) इक्कीसवीं सदी की नई चुनौतियाँ – डॉ. शोभा पवार – जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२५) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य में बदलते जीवन मूल्य – डॉ. जी. पी. सातव – जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२६) कबीर और अखा का धर्म विमर्श – डॉ. शैलेश के. मेहता – जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२७) मलयालम साहित्य : मार्ग और मार्गदर्शक – डॉ. आरसू – जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२८) उत्तर आधुनिकता : साहित्य और मिडिया – डॉ. ऋषभदेव शर्मा – जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२९) हिन्दी साहित्य की विभिन्न विधाओं – डॉ. संजय एल. – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(३०) हिन्दी साहित्य युग एवं प्रवृत्तियाँ – डॉ. विजयपाल सिंह – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(३१) हिन्दी साहित्य का इतिहास – महिमा गुप्त – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

भक्तकवि नरसिंह महेता विश्वविद्यालय–खडिया(जूनागढ–गुनरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

अनुस्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१८

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमाकं	मुरख्य								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षठक	भाषा विज्ञान (सैद्धांतिक)								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१८	०१	०३		०२	१	०३	१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी								

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कूल अंक
अनुस्नातक	०१	०३	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- ☐ प्रस्तुत पाठ्यक्रम सर्वोपरि छात्र भाषा-विज्ञान के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक स्वरुप को विस्तार से जानें ।
- ☐ छात्रगण भाषा एवं भाषा विज्ञान के अंतःसंबंध को जानें ।
- ☐ भाषा विज्ञान के अध्यापन के द्वारा अध्येता को भाषा उच्चारण, प्रयोग एवं उपयोग की शिक्षा देना ।
- ☐ भाषा विज्ञान के अध्ययन के द्वारा छात्रगण विश्व–भाषाओं के परस्पर संबंध को विस्तार से समझे ।
- ☐ छात्रगण भाषा विज्ञान का अध्ययन करके विश्व की विभिन्न भाषाओं की समानता स्थापित करके विश्व–ळकता और विश्व–बन्धुत्व का भाव समझें ।
- ☐ छात्रगण भाषा विज्ञान का शिक्षण प्राप्त करके अपनी चेतना में रचे–बसे नियमों को प्रत्यक्ष करने की क्षमता प्राप्त करें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय		अंक		क्रेडिट	
				नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
अनुस्नातक	ईकाई–१	– 'भाषा' का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	– भाषा उत्पत्ति के विभिन्न मत	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें. प्रश्न × अंक ०४ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें. प्रश्न × अंक ०४ × १४ = ७०	०४	०४
		– भाषा विकास के सोपान	– भाषा का उपयोग				
		– भाषा की विशेषताऐँ	– भाषा के विभिन्न रूप				
		- बोली, विभाषा और भाषा	– भाषा परिवर्तन के कारण				
		– भाषा परिवर्तन की दिशाऐँ	– संसार के भाषा परिवार				
		– 'भाषा विज्ञान' का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	– भाषा विज्ञान की पद्धतियाँ (शाखाऐँ और प्रकार)				
		– भाषा विज्ञान के अध्ययन की उपयोगिता	– भाषा विज्ञान का ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध				
	ईकाई–२	– 'स्वन' विज्ञान का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	– ध्वनि विज्ञान की शाखाऐँ				
		– ध्वनि उत्पन्न करने की प्रक्रिया	– ध्वनि उच्चारण अवयव				
		– ध्वनियों का वर्गीकरण – स्वर और व्यंजन	– ध्वनि के भौतिक गुण				
		– ध्वनि परिवर्तन और उनके कारण	– बलाघात के भेद				
		– ध्वनि नियम का अर्थ एवं प्रमुख ध्वनि नियम	– ध्वनि परिवर्तन के स्वरूप अथवा ध्वनि परिवर्तन की दिशाऐँ				
		– स्वनिम के भेद खंड्य एवं खंड्येतर ध्वनियाँ	– 'स्वनिम विज्ञान' का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप				
		– अन्तर्राष्ट्रीय ध्वन्यात्मक लिपि, चिह्न	– स्वनिमिक विश्लेषण				
	ईकाई–३	–रूप विज्ञान अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	– रूप विज्ञान की शाखाऐँ				
		– रूपिम के भेद	– रूप–परिवर्तन की दिशाऐँ				
		– रूप–परिवर्तन के कारण	– रूप–परिवर्तन और ध्वनि परिवर्तन में अन्तर				
		– शब्द या पद	– शब्दों के प्रकार				
		– रूपिम के प्रकार्य : पुरुष, लिंग, वचन, विभक्ति, काल तथा भाव	– रूपग्राम विज्ञान एवं रूपध्वनि ग्राम विज्ञान				
		– वाक्य विज्ञान, अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	– वाक्य की अव्यवस्थाऐँ				
		– वाक्य रचना के आधार	– वाक्य के भेद				
		– वाक्य विश्लेषण	– निकटतम–अवयव विश्लेषण				
		– वाक्य परिवर्तन के कारण	– वाक्य और स्वराघात				
		– गहन संरचना और बाह्य संरचना	– प्रोक्ति विज्ञान				

	ईकाई-४	– अर्थ विज्ञान, अर्थ परिभाषा एवं अर्थ ग्रहण के प्रकार	– अर्थ विज्ञान और व्युत्पत्ति				
		– शब्द और अर्थ का संबंध	– अर्थ परिवर्तन की दिशाऐं और कारण				
		– अर्थ परिवर्तन के प्रकार	– पर्याय विज्ञान				
		कुल अंक एवं क्रेडिट		७०	७०	०४	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिऐ)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी इक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिऐ दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१२ आलोचनात्मक प्रश्न	२:३०	०४	१४	४६
	११ संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – भाषा विज्ञान और भाषाशास्त्र – स्वनिम और उपस्वन में भेद – शब्दों का वर्गीकरण – हिन्दी शब्द समूह – साहित्यिक भाषा और जनभाषा में अन्तर – केन्द्रीय स्वनिम तथा परिधीय स्वनिम – पारिभाषिक शब्दावली – अनुस्वार और विसर्ग		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिऐ)	२:३०			७०

सूचना :
– नियमित एवं बाहय परिक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र समान रहेगा ।
– प्रश्नपत्र का समय २:३० घंटे का रहेगा ।
– नियमित एवं बाहय परिक्षार्थी के लिए पाठ्यकम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक :
संपादक :
प्रकाशक :

संदर्भ ग्रंथ :

(१) हिन्दी भाषाविज्ञान – डॉ. डी. डी. शर्मा, प्र. पल्लव प्रकाशन, मालीवाडा, दिल्ली – ६
(२) आधुनिक भाषाविज्ञान – भोलानाथ तिवारी, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, २७/१३, कूचा चेलान, दरियागंज, नई दिल्ली – २
(३) भाषा विज्ञान : सैद्धांतिक चिंतन – डॉ. श्रीवास्तव
(४) भाषा विज्ञान की भूमिका – डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा
(५) आधुनिक भाषाविज्ञान – डॉ. राजमणि शर्मा, प्र. वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली – २
(६) भाषाविज्ञान और हिन्दी – डॉ. के. डी. रूवाली, प्र. तक्षशीला प्रकाशन, नयी दिल्ली – २
(७) अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान : सिद्धांत और प्रयोग : डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
(८) भाषा विज्ञान एवं भाषा विचार – डॉ. पोतहार, डॉ. खराटे– विद्या प्रकाशन, कानपुर
(९) भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा – डॉ. हेणमंतराव पाटील – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१०) भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा – डॉ. संजय नवले – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(११) भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा – डॉ. पंडित बन्ने – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१२) हिन्दी भाषा विज्ञान परिचय – डॉ. ज्ञानराज गायकवाड – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१३) भाषा और भाषा विज्ञान – तेजपाल चौधरी – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१४) समसामयिक भाषा विज्ञान – डॉ. कविता रस्तोगी – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१५) भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा – डॉ. संजय नवले, प्रा१ भगवान – अमन प्रकाशन, कानपुर
(१६) हिन्दी भाषा विज्ञान परिचय – डॉ. ज्ञानराज गायकवाड – अमन प्रकाशन, कानपुर
(१७) भाषा विज्ञान एवं भाषा विचार – डॉ. पोतहार, डॉ. खराटे– अमन प्रकाशन, कानपुर
(१८) भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा का स्वरूप-विकास – डॉ. देवेन्द्रप्रसाद सिंह – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(१९) हिन्दी का सरल शब्दानुशासन – डॉ. देवेन्द्रप्रसाद सिंह – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२०) रूप विज्ञान – लक्ष्मणप्रसाद सिन्हा – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२१) हिन्दी भाषा का रूपमिय विश्लेषण – डॉ. लक्ष्मणप्रसाद सिन्हा – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२३) हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि – देवेन्द्रप्रसाद सिंह – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२४) हिन्दी काव्य भाषा – डॉ. कृपाशंकर पाण्डेय – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२५) हिन्दी भाषा और उसके विविध रूप – डॉ. हिरालाल शर्मा – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२६) भाषा चिन्तन की भारतीय परम्परा – डॉ. त्रिभुवननाथ शुक्ल – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२७) भाषिक औदित्य – डॉ. त्रिभुवननाथ शुक्ल – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२८) दक्षिण गुजरात की जननातिय बोलियाँ : उद्भव एवं विकास – मधुकर पाडवी – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

भक्तकवि नरसिंह महेता विश्वविद्यालय–खडिया(जूनागढ–गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
अनुस्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम
वर्ष – २०१८

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमाकं	मुख्य								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीषठक	भारतीय साहित्य – १								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१८	०१	०३		०२	१	०४	१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी बाह्य परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०१	मुख्य	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

☐ पाठ्यक्रम से संबंधी छात्र प्रस्तुत पाठ्यक्रम अध्ययन के द्वारा भारतीय भाषाओं के साहित्य का ज्ञान प्राप्त करें ।

☐ छात्रगण प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करके भारतीय लकता एवं अखण्डितता को मूल–भूत रुप से जानें ।

☐ छात्रगण प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करके विश्व–बन्धुत्व की भावना को सुदृढ़ करें ।

☐ छात्रगण प्रस्तुत पाठ्यक्रम अध्ययन करके जन–जन में भारतीय सांस्कृतिक चेतना को जागृत करें ।

☐ छात्रगण बंगला–साहित्य के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त करें ।

☐ छात्रगण बंगला साहित्य का अन्य भारतीय साहित्य पर अंकित प्रभाव को समझें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
अनुस्नातक	ईकाई–१	भारतीय साहित्य का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरुप	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें. प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें. प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	०५	०५
		भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ				
		भारतीय साहित्य में व्यक्त भारतीयता का बिम्ब				
		भारतीयता का समाजशास्त्र				
	ईकाई–२	भारतीय साहित्य में प्रतिबिम्बित भारतीय जीवन–मूल्य				
		भारतीय साहित्य में भारतीय राष्ट्रीय लकता का बिम्ब				
		भारतीय साहित्य में सामाजिकता				
		भारतीय साहित्य और संस्कृति				
	ईकाई–३	ारतीय साहित्य में विश्व–कल्याण की भावना				
		विश्व साहित्य की अवधारणा				
		भारतीय साहित्य पर विश्व–साहित्य का प्रभाव				
		बंगला साहित्य का काल विभाजन				
	ईकाई–४	आधुनिक बंगला नवजागरणकालीन–काव्य की प्रवृत्तियाँ				
		बंगला के मंगलकाव्य				
		आधुनिक बंगला कविता और राष्ट्रीय भावना				
		बंगला साहित्य और मुस्लिम रचनाकार				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	७०	०५	०५

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिळ)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी लक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिळ दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरुप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१२ आलोचनात्मक प्रश्न	२:३०	०४	१४	५६
	२२ संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – रवीन्द्रनाथ टैगोर – बंगाली सिद्धों के चर्यागीत – राजाराम मोहनराय – बंगला साहित्य में स्वच्छन्दता – बंगला का गद्य–साहित्य – कृतिवास रामायण –विद्यापति		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिळ)	२:३०			७०

सूचना :
– नियमित एवं बाहय परिक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र समान रहेगा ।
– प्रश्नपत्र का समय २:३० घंटे का रहेगा ।
– नियमित एवं बाहय परिक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक :
संपादक :
प्रकाशक :

संदर्भ ग्रंथ :

(१) भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ – डॉ. रामविलास शर्मा, प्र. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली – २
(२) आज का भारतीय साहित्य (संपादक मंडल), प्र. साहित्य अकादमी, दिल्ली
(३) भारतीयता की पहचान – केशवचंद्र वर्मा, प्र. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद – १
(४) भारतीय साहित्य – डॉ.रामछबीला त्रिपाठी, प्र. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली – २
(५) भारतीय साहित्य – सं. डॉ.मूलचंद गौतम – राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
(६) Indian Literature – Joshi Umashankar, Personal Encounter, papuiarus Culcutta.
(७) The idea of Indian Literature – Joshi Umashankar, Sahitya Academi, New Delhi
(८) भारतीय साहित्य की मानवतावादी धाराऍं – डॉ. वृषाली मांडेकर – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(९) भारतीय साहित्य – डॉ. व्रजकिशोर सिंह – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१०) भारतीय साहित्य – डॉ. लक्ष्मीकान्त पाण्डेय – विद्या प्रकाशन, कानपुर

भक्तकवि नरसिंह महेता विश्वविद्यालय-खडिया(जूनागढ-गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

अनुस्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम

वर्ष - २०१८

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी महिला लेखन								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१८	०१	०३		०२	१	०४	२	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी								

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०१	मुख्य	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- ☐ छात्रगण हिन्दी महिला लेखन के इतिहास से परिचित होंगे ।
- ☐ छात्रगण पुरुष प्रधान समाज में महिलाओं की स्थिति जानें ।
- ☐ छात्रगण नारी चेतना, नारीवाद, नारी-विमर्श का भेद जानें ।
- ☐ छात्र नारी द्वारा नारी-अस्मिता के सर्जन को विस्तार से जानें ।
- ☐ प्रस्तुत पाठ्यक्रम के द्वारा समाज में आये नारी-जीवन परिवर्तनों को विस्तार से जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
अनुस्नातक	ईकाई-१	- नारीवादी साहित्य स्वरूप, अवधारणा एवं वैचारिक प्रतिमान	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे. प्रश्न × अंक ०४ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगे. प्रश्न × अंक ०४ × १४ = ७०	०४	०४
		- चेतना, विमर्श, वाद की सैद्धांतिक अवधारणा एवं सामाजिक, सांस्कृति और राजनैतिक अवधारणा				
		- नारीचेतना, अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप				
		- हिन्दी नारीवादी लेखन : उद्भव एवं विकास				
		- भारत में नारीवादी आन्दोलन, आयोग एवं सरकारी गैर-सरकारी संगठन				
	ईकाई-२	- कृष्णा सोबती : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		- 'मित्रो मरजानी' उपन्यास का कथानक				
		- 'मित्रो मरजानी' उपन्यास के चरित्रो का चरित्रांकन				
		- उपन्यास कला के आधार पर 'मित्रो मरजानी' का मूल्यांकन				
		- 'मित्रो मरजानी' उपन्यास में व्यक्त नारी चेतना				
	ईकाई-३	- 'मित्रो मरजानी' उपन्यास में व्यक्त समस्याएँ				
		- 'मित्रो मरजानी' उपन्यास की शिल्प योजना				
		- बैसंगी कौशल्या : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		- 'दोहरा अभिशाप' आत्मकथा का कथ्य				
		- 'दोहरा अभिशाप' आत्मकथा में व्यक्त नारी जीवन				
	ईकाई-४	- 'दोहरा अभिशाप' आत्मकथा में व्यक्त नारी चेतना				
		- 'दोहरा अभिशाप' आत्मकथा में व्यक्त नारी समस्याएँ				
		- आत्मकथा के तत्त्वों के आधार पर 'दोहरा अभिशाप' का मूल्यांकन				
		- 'दोहरा अभिशाप' आत्मकथा में बैसंगी कौशल्या जी की नारी-विषयक विचारधारा				
		- 'दोहरा अभिशाप' आत्मकथा का शिल्प-विधान				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	७०	०४	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिऴ)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा .	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है .	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिऴ दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं .	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

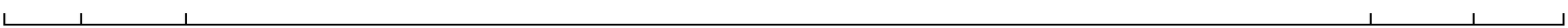

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१२ आलोचनात्मक प्रश्न	२:३०	०४	१४	५६
	२२ संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'मित्रो मरजानी' उपन्यास का शीर्षक – 'मित्रो मरजानी' उपन्यास की भाषा शैली – 'दोहरा अभिशाप' आत्मकथा का शीर्षक – 'दोहरा अभिशाप' आत्मकथा में यौन–चित्रण – 'मित्रो मरजानी' उपन्यास का उद्देश्य – 'मित्रो मरजानी' उपन्यास की संवाद–योजना – 'दोहरा अभिशाप' आत्मकथा की उद्देश्य – 'दोहरा अभिशाप' आत्मकथा में नारी–पीड़न		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिळ)	२:३०			१००

पाठ्य पुस्तक : मित्रो मरजानी
संपादक : कृष्णा सोबती
प्रकाशक : राजकमल प्रकाशन–नई दिल्ली

पाठ्य पुस्तक : दोहरा अभिशाप
संपादक : बैसंगी कौशल्या
प्रकाशक : राजकमल प्रकाशन–नई दिल्ली

सूचना :
– नियमित एवं बाहय परिक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र समान रहेगा ।
– प्रश्नपत्र का समय २:३० घंटे का रहेगा ।
– नियमित एवं बाहय परिक्षार्थी के लिए पाठ्यकम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

(१) आधुनिक महिला लेखन : स्वतंत्र चिंतन दिशाएँ, ओमप्रकाश शर्मा, पूजा प्रकाशन, नई दिल्ली
(२) इक्कसवीं सदी का महिला सशक्तिकरण मिथक एवं यथार्थ, डॉ.वीरेन्द्र सिंह यादव, शान्ति प्रकाशन, रोहतक
(३) औरत : अस्तित्व और अस्मिता : महिला लेखन का समाजशास्त्रीय अध्ययन, रविन्द जैन, सारांश प्रकाशन, नई दिल्ली
(४) दलित साहित्य का स्त्रीवादी स्वर, विमल थोरात, अनामिका पब्लिशर्स, दिल्ली
(५) नारी अधिकार, शान्तीकुमार स्याल, आत्मराम एन्ड सन्स, कश्मीरी गेट, दिल्ली
(६) नारी अस्मिता हिन्दी उपन्यासों में, डॉ.सुरेश बत्रा, रचना प्रकाशन, कानपुर
(७) नारी के बदलते आयाम, डॉ.राजकुमार, अर्जन पब्लिसिंग, संसारी रोड, नई दिल्ली
(८) नारी प्रश्न, सरला माहेश्वरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
(९) नारी विद्रोह के भारतीय मंच, आशारानी ब्होरा, नेशनल पब्लिसिंग हाऊस, नई दिल्ली
(१०) प्रभा खेतान के साहित्य में नारी विमर्श, डॉ.कामिनी तिवारी, नेशनल पब्लिसिंग हाऊस, नई दिल्ली
(११) भारतीय नारी : अस्मिता और अधिकार, आशारानी ब्होरा, नेशनल पब्लिसिंग हाऊस, नई दिल्ली
(१२) भारतीय नारी अस्मिता की पहचान, उमा शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
(१३) भारतीय साहित्य में दलित एवं स्त्री, चमनलाल, सारांश प्रकाशन, नई दिल्ली
(१४) महाभारत में नारी, डॉ.वनमाला भवालकर, अभिनव साहित्य प्रकाशन, सागर, मध्यप्रदेश
(१५) महिला उपन्यासकारों में नारी का बदलता स्वरुप, डॉ.रजना चावडा, राज प्रकाशन, कानपुर
(१६) महिला और मानवधिकार, एम. ए. अंसारी, द्रयोति प्रकाशन, जयपुर
(१७) महिला लेखन के संदर्भ में स्त्री विमर्श, प्रो.राजेन्द्र कुमार, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(१८) महिला विकास और सशक्तिकरण, प्रज्ञा शर्मा, अविष्कार प्रकाशन, जयपुर
(१ महिला सशक्तिकरण और कानून, डॉ.ए.एन.अग्निहोत्री, सरस्वती प्रकाशन, कानपुर
(२८) स्त्रीत्त्ववादी विमर्श : समाज और साहित्य, क्षमा शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
(२९) स्त्री परंपरा और आधुनिकता, राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
(३०) स्त्री विमर्श के विविध संदर्भ, डॉ. सियाराम, ओमेंगा प्रकाशन, दिल्ली
(३१) स्त्री विविध पहलू, कल्पना वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(३२) हिन्दी में आदिवासी केन्द्रित उपन्यासों का समीक्षात्मक अध्ययन, डॉ.बी.के.कलासवा, शान्ति प्रकाशन, रोहतक
(३३) हिन्दी उपन्यासों में कामकाजी महिला, डॉ.रोहिणी अग्रवाल, दिवमान प्रकाशन, दिल्ली
(३४) हिन्दी उपन्यासों में स्त्री अस्मिता की अभिव्यक्ति, डॉ.बीनारानी यादव, अकादमिक प्रतिभा, गीता कोलोनी, नई दिल्ली
(३५) हिन्दी उपन्यास साहित्य में स्त्री विमर्श एवं अन्य आलेख,डॉ.बी.के.कलासवा, शान्ति प्रकाशन, रोहतक
(३६) हिन्दी महिला उपन्यासकारों की मानवीय संवेदना, डॉ.उषा यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

९)
(२
०) महिला सशक्तिकरण चिंतन एवं सरोकार, डॉ.रमेशप्रसाद द्विवेदी, शान्ति प्रकाशन, रोहतक
(२
१) मानव अधिकार और महिला उत्पीडन, सुधारानी श्रीवास्तव, कोमनवेल्थ पब्लिसिंग, दरियागंज, नई दिल्ली
(२
२) विभिन्न चेतनाओँ एवं समकालीन हिन्दी उपन्यासों में नारी चेतना, डॉ.बी.के.कलासवा, शान्ति प्रकाशन, रोहतक
(२
३) शोध के नळ आयाम, डॉ.बी.के.कलासवा, शान्ति प्रकाशन, रोहतक
(२
४) समकाली महिला लेखन, ओमप्रकाश शर्मा, प्रजा प्रकाशन, लक्ष्मीनगर, दिल्ली
(२
५) साठोत्तरी हिन्दी कथा-साहित्य : स्त्री विमर्श, क्षमा शर्मा, डॉ.बी.के.कलासवा, शान्ति प्रकाशन, रोहतक
(२
६) साहित्य के दर्पण में स्त्री, डॉ.सियाराम, ओमेंगा प्रकाशन, दिल्ली
(२
७) स्त्री अधिकारों का औचित्य साधन मेरी वोल्सटक काफर, अनु-मीनाक्षी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

भक्तकवि नरसिंह महेता विश्वविद्यालय–खडिया(जूनागढ–गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
अनुस्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम
वर्ष – २०१८

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमाकं	मुख्य								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीष8क	तुलनात्मक साहित्य (सैद्धांतिक – १)								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१८	०१	० ३		०२	१	० ४	२	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी								

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०१	मुख्य	०५	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण तुलनात्मक साहित्य क्या है, इसको जानें ।
- छात्रगण के लिए तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन की परिधि सस्पष्ट हो ।
- छात्रगण तुलनात्मक अध्ययन कैसे किया जाता है, उससे विदित हों ।
- छात्रगण तुलनात्मक साहित्य और तुलनात्मक भारतीय साहित्य की अवधारणा को समझें ।
- छात्रगण भारतीय साहित्य का अध्ययन कर भारतीयता का स्वरूप समझें ।
- छात्रगण विश्व साहित्य की अवधारणा को समझते हुळ तुलनात्मक साहितय और संस्कृति का स्वरूप समझें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
अनुस्नातक	ईकाई–१	तुलनात्मक साहित्य का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें. प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें. प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	०५	०५
		तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन की परिधि				
		तुलनात्मक साहित्य की प्रविधि				
		तुलनात्मक साहित्य की ळेतिहासिक और तात्त्विक अनिवार्यता				
	ईकाई–२	तुलनात्मक साहित्य उत्कर्ष में हिन्दी का योगदान				
		तुलनात्मक साहित्य और सामान्य साहित्य का अंतःसंबंध				
		तुलनात्मक साहित्य और तुलनात्मक भारतीय साहित्य				
		तुलनात्मक साहित्य और संस्कृति				
	ईकाई–३	तुलनात्मक आलोचना का स्वरूप				
		तुलनात्मक आलोचना की कार्य–पद्धति				
		तुलनात्मक साहित्य में भारतीय साहित्य का योगदान				
		तुलनात्मक साहित्य का भविष्य				
	ईकाई–४	तुलनात्मक साहित्य का उद्देश्य				
		तुलनात्मक साहित्य और यूरोपीय साहित्य				
		तुलनात्मक साहित्य में अंग्रेजी की भूमिका				
		तुलनात्मक साहित्य और राष्ट्रीय ळकता				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	७०	०५	०५

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिळ)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी ळक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसोटी	आंतरिक कसोटी के लिळ दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१२ आलोचनात्मक प्रश्न	२:३०	०४	१४	५६
	१२ संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – अन्तर्विद्यावर्ती आलोचना – तुलनात्मक साहित्य समकालीन पद्धतियाँ – तुलनात्मक साहित्य का अन्तर्राष्ट्रीय प्रभाव – तुलनात्मक साहित्य और अनुवाद – तुलनात्मक साहित्य और समाजशास्त्र – साहित्य का तुलनात्मक विज्ञान		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिऊ)	२:३०			७०

सूचना : – नियमित एवं बाहय परिक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र समान रहेगा ।
– प्रश्नपत्र का समय २:३० घंटे का रहेगा ।
– नियमित एवं बाहय परिक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

(१) अनुवाद अनुभव अवदान – डॉ. आरसु – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

(२) सूचना साहित्य अनुवाद की चुनौतियाँ – वास्वन – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

(३) अनुवाद – मलयालम साहित्य मार्ग एवं मार्गदर्शन – आरसु – जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

(४) जनसंचार माध्यम दशा एवं दिशा – सुरेश कानडे – जगत भारती प्रकाशन, कानपुर

(५) रोजगारपरक हिन्दी – डॉ. ईश्वर पवार – जगत भारती प्रकाशन, कानपुर

(६) तेलुगु साहित्य का हिन्दी पाठ – ऋषभ देव शर्मा – जगत भारती प्रकाशन, कानपुर

(७) भारतीय साहित्य का भावसंसार – डॉ. आरसु, डॉ. परिस्मिता – जयभारती प्रकाशन, कानपुर

(८) तुलनात्मक साहित्य – सिद्धांत और समीक्षा – डॉ. महावीरसिंह चौहान – पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद

(९) तुलनात्मक साहित्य की भूमिका – चौधरी इन्द्रनाथ – नेशनल पब्लिशींग हाउस, दिल्ली

(१०) भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ – डॉ. रामविलास शर्मा – वाणी प्रकाशन, दिल्ली

(११) तुलनात्मक साहित्य – परीख धीरू – गुजरात युनिवर्सिटी, अहमदाबाद

(१२) तुलनात्म अध्ययन : स्वरूप और समस्याएँ – डॉ. भ. ह. राजूरकर – वाणी प्रकाशन, दिल्ली
(१३) तुलनात्मक साहित्याभ्यास (गुजराती अनुवाद) – बापट वसंत – अनुवादक –दवे जशवंती, मेहता जया प्र.युनिवर्सिटी, मुंबई .
(१४) तुलनात्मक साहित्य : भारतीय संदर्भ – देसाई चैतन्य .
(१५) तुलनात्मक साहित्य नी दिशामां – देसाई अश्विन – दिव्यानंद प्रकाशन
(१६) भारतीय नवलकथा – जोषी रमणलाल – युनिवर्सिटी ग्रंथ निर्माण बोर्ड, अहमदाबाद
(१७) Indian Literature – Joshi Umashankar – Personal Pin counter Papurus, Culcutta
(१८) The Idea of Indian Literature – Joshi Umashankar – Sahitya Academy, New Delhi.
(१९) Aspects of Comparative Literature : Current Approaches – Indian Publishers & Distribution, New Delhi.
(२०) Comparative Literature Studies – An Inroduction – Prawar S.S., Duch work London and New York, Branes and Noble.

भक्तकवि नरसिंह महेता विश्वविद्यालय-खडिया(जूनागढ-गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
अनुस्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम
वर्ष - २०१८

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीष8क	विशिष्ट विधा का अध्ययन (हिन्दी उपन्यास-१)								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१८	०१	० ३		०२	१	० ५	१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी बाह्य परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०१	मुख य	०५	३०	७०	-	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण उपन्यास सम्राट मुन्शी प्रेमचंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को समझे ।
- छात्रगण प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से प्रेमचदं के कृषि जीवन के वैचारिक आन्दोलन को विस्तार से समझे ।
- छात्रगण हिन्दी मनोवैज्ञानिक उपन्यासकारों के उपन्यासों के प्रति आकृष्ट हों ।
- छात्रगण 'त्यागपत्र' पढ़कर आत्मचेतना को ओर भी अधिक समझने का प्रयत्न करें ।
- छात्र भारत विभाजन की पृष्ठभूमि से अवगत हो ।
- छात्रगण हिन्दी दलित साहित्य का ज्ञान प्राप्त करें ।
- प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रगण मानव समाज-जीवन में समन्वयात्मक द्दष्टिकोण को अपनायें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय		अंक		क्रेडिट	
				नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
अनुस्नातक	ईकाई-१	- प्रेमचंद : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	- गोदान का कथानक	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें. प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें. प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	०५	०५
		- उपन्यास कला के आधार पर 'गोदान' का मूल्यांकन	- 'गोदान' के पात्रों का चरित्रांकन				
		- यथार्थवादी उपन्यास के रुप में 'गोदान' का मूल्यांकन	- 'गोदान' कृषक जीवन का महाकाव्य				
		- 'गोदान' उपन्यास में चित्रित समस्याएँ	- 'गोदान' ग्राम जीवन एवं कृषि संस्कृति का महाकाव्य				
		- 'गोदान' में निरुपित प्रगतिवादी, गांधीवादी एवं मार्क्सवादी चेतना	- 'गोदान' की भाषा-शैली				
	ईकाई-२	- जैनेन्द्रकुमार : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	- 'त्यागपत्र' उपन्यास क कथानक				
		- उपन्यास कला के आधार पर 'त्यागपत्र' का मूल्यांकन	- 'त्यागपत्र' का मनोवैज्ञानिक उपन्यास के रुप में मूल्यांकन				
		- 'त्यागपत्र' चरित्रों का चरित्रांकन	- 'त्यागपत्र' उपन्यास का परिवेश				
		- 'त्यागपत्र' उपन्यास में निरुपित समस्याएँ	- 'त्यागपत्र' उपन्यास का शिल्प				
		- 'त्यागपत्र' उपन्यास में निरुपित समाज-व्यवस्था	- 'त्यागपत्र' उपन्यास में व्यक्त प्रेमानुभूति				
	ईकाई-३	- भिष्मसाहनी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	- 'तमस' उपन्यास का कथासार				
		- उपन्यास कला के आधार पर 'तमस' का मूल्यांकन	- 'तमस' के पात्रो का चरित्राकन				
		- 'तमस' उपन्यास में व्यकत समस्याएँ	- 'तमस' में व्यक्त साम्प्रदायिकता				
		- 'तमस' उपन्यास में व्यक्त राजनैतिक चेतना	- 'तमस' में निरुपित भारत विभाजन की प्रारंभिक पृष्ठमूमि				
		- 'तमस' उपन्यास का परिवेश	- 'तमस' में अभिव्यकत भिष्म शाहनी की विचारधारा				
	ईकाई-४	- जगदीशचंद्र : व्यक्त्तित्व एवं कृतित्व	- 'धरती धन न अपना' उपन्यास का कथासार				
		- उपन्यास कला के आधार पर 'धरती धन न अपना' का मूल्यांकन	- 'धरती धन न अपना' उपन्यास के चरित्रों का चरित्रांकन				
		- 'धरती धन न अपना' उपन्यास में दलित चेतना	- 'धरती धन न अपना' उपन्यास में परिवेश				
		- 'धरती धन न अपना' उपन्यास में व्यक्त मानवीय-संवेदनाळँ	- 'धरती धन न अपना' उपन्यास में व्यक्त समस्याएँ				
		- 'धरती धन न अपना' उपन्यास में व्यक्त दलित नारी-शोषण	- 'धरती धन न अपना' उपन्यास में निरुपित वर्ग-संघर्ष				
		कुल अंक एवं क्रेडिट		७०	७०	०५	०५

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिळ)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी ळक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	०१
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिळ दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	

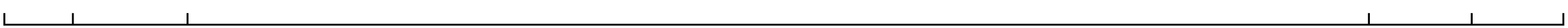

		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप				समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१२ आलोचनात्मक प्रश्न				२:३०	०४	१४	४६
	११ संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'गोदान' की संवाद योजना	– 'त्यागपत्र' उपन्यास की संवाद योजना	– 'तमस' उपन्यास का उद्देश्य	– 'धरती धन न अपना ' उपन्यास का उद्देश्य		०२	०७	१४
	– 'गोदान' के शीर्षक की सार्थकता	– 'त्यागपत्र' उपन्यास का उद्देश्य	– 'तमस' के शीर्षक की सार्थकता	– 'धरती धन न अपना' उपन्यास का शीर्षक				
	– 'गोदान' उपन्यास का उद्देश्य	– 'त्यागपत्र' के शीर्षक की सार्थकता	– 'तमस' की भाषा–शैली	– 'धरती धन न अपना' उपन्यास की संवाद योजना				
	– 'गोदान' का परिवेश	– 'त्यागपत्र' उपन्यास का अन्त	- 'तमस' के गौण पात्र	– 'धरती धन न अपना' उपन्यास की भाषा शैली				
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिऐ)				२:३०			७०

सूचना :
- नियमित एवं बाह्य परिक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र समान रहेगा ।
- प्रश्नपत्र का समय २:३० घंटे का रहेगा ।
- नियमित एवं बाह्य परिक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : गोदान	**पाठ्य पुस्तक : त्यागपत्र**	**पाठ्य पुस्तक : हादसे**	**पाठ्य पुस्तक : धरती धन न अपना**
संपादक : प्रेमचंद	**संपादक : जैनेन्द्रकुमार**	**संपादक : रमणिका गुप्ता**	**संपादक : नगदीशचन्द्र**
प्रकाशक	**प्रकाशक**	**प्रकाशक**	**प्रकाशक**

संदर्भ ग्रंथ :

(१) शोध के नये आयाम – डॉ. बी. के. कलासवा, शाक्ति प्रकाशन, अहम्दाबाद
(२) हिन्दी उपन्यास – पहचान और परख : सं. इन्द्रनाथ मदान
(३) उपन्यास शिल्प और प्रवृत्तियाँ – सुरेश सिन्हा, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, दिल्ली
(४) हिन्दी उपन्यास विवेचन – डॉ. सत्येन्द्र, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली – ११
(५) हिन्दी उपन्यास : उद्भव और विकास – डॉ. सुरेश सिन्हा
(६) हिन्दी उपन्यास : डॉ. सुषमा धवन, प्र. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
(७) हिन्दी उपन्यास के सौ वर्ष – सं. रामदरश मिश्र,प्र. गिरनार प्रकाशन, महेसाना (उ. गुजरात)
(८) हिन्दी उपन्यास – स्थिति और गति – डॉ. चंद्रकांत बांदिवड़ेकर
(९) आँचलिकता और हिन्दी उपन्यास : डॉ. नगीना जैन, प्र. अक्षर प्रकाशनल, दिल्ली
(१०) प्रतिनिधि हिन्दी उपन्यास भाग १-२ : डॉ. चमनलाल, प्र. हरियाणा साहित्य ळकादमी, चंडीगढ
(११) गोदान का मानववाद – डॉ. हरिश्चन्द्र मिश्र, भाषा साहित्य संस्थान, इलहाबाद – ३
(१२) जैनेन्द्र कुमार : चिन्तन और सृजन – मधुरिमा कोहली, पराग प्रकाशन, दिल्ली
(१३) उषा प्रियंवदा के कथा–साहित्य में युगबोध – डॉ. जयश्री बरहाटे – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१४) उषा प्रियंवदा के उपन्यासों में सामाजिक चेतना – प्रा. पारेख नेहा – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१५) प्रेमचंद के उपन्यास पुनर्मूल्यांकन – डॉ. कनुभाई निनामा – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१६) जैनेन्द्र के उपन्यासों का मनोविश्लेषणात्मक अध्ययन – डॉ. सी. एस. अजितकुमार – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१७) जैनेन्द्र के उपन्यासों में सामाजिक समस्याएँ – डॉ. एन. टी. गामीत – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१८) उषा प्रियंवदा की उपन्यास सृष्टि – डॉ. शहनाज अंकुली – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१९) प्रेमचन्द का कथा साहित्य : दलित चिन्तन के परिप्रेक्ष्य में – डॉ. अर्चना घोटे– अमन प्रकाशन, कानपुर
(२०) आधुनिक बोध और उषा प्रियंवदा (आलोचना) – डॉ. संदीप रणभिरकर – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२१) जैनेन्द्र के उपन्यासों का मनोविश्लेषणात्मक अध्ययन – डॉ. सी१ ळस१ अजित कुमार – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२२) उषा प्रियंवदा के कथासाहित्य में नारी – डॉ. भारती वलवी – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२३) प्रेमचन्द के उपन्यासों में हिन्दू मुस्लिम ळकता – डॉ. अशोक माधव – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२४) जैनेन्द्र के उपन्यासों में सामाजिक समस्याएँ – डॉ. एन. टी. गामीत – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२५) मनोवैज्ञानिक उपन्यासकार जैनेन्द्र – डॉ. सुशील जी. धर्माणी – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२६) प्रेमचंद विचारधारा : परम्परा एवं परिदृश्य – सं. प्रो. ए. डी. शेरकि – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२७) महिला उपन्यासकारों के उपन्यासों में नारीवादी दृष्टि – डॉ. अमर द्रयोति – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२८) प्रेमचन्द के उपन्यास : पुनर्मूल्यांकन – डॉ. कनुभाई निनामा – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२९) जैनेन्द्र के उपन्यास : कथ्य एवं शिल्प – डॉ. यूनुस ए. गाहा – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३०) प्रेमचन्द का कथेतर साहित्य : डॉ. आशा वर्मा – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३१) प्रेमचंद के उपन्यासों में नारी पात्रों का चित्रण – डॉ. द्रयोति गायकवाड़ – अमन प्रकाशन, कानपुर

भक्तकवि नरसिंह महेता विश्वविद्यालय–खडिया(जूनागढ–गुजरात)

क्ष्प

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

अनुस्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१८

विषय	हिन्दी
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन – १
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१८ | ०१ | ०३ | | ०२ | १ | ०५ | २
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी: ०२:३० घण्टे बाह्य परीक्षार्थी

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कूल अंक
अनुस्नातक	०१	मुख्य	०५	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य

- ☐ छात्रगण दृश्य–श्रव्य माध्यमों का परिचय प्राप्त करें ।
- ☐ छात्रगण प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करके रोजगारी प्राप्त करें ।
- ☐ छात्रगण प्रौद्योगिकी युग दृश्य–श्रव्य माध्यमों की उपयोगिता को विस्तार से जानें ।
- ☐ छात्रगण रेडियो में प्रयुक्त हिन्दी का ज्ञान प्राप्त करके मौखिक अभिव्यक्ति की प्रतिभा प्राप्त करें ।
- ☐ प्रस्तुत पाठ्यक्रम में अध्येता जनसंचार माध्यम में हिन्दी की उपयोगिता का महत्व जानें ।
- ☐ छात्रगण हिन्दी प्रचार–प्रसार में दृश्य–श्रव्य माध्यमों की भूमिका समझे ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
अनुस्नातक	ईकाई–१	माध्यमोपयोगी लेखन स्वरूप और प्रमुख प्रकार	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें. प्रश्न् × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें. प्रश्न् × अंक ०५ × १४ = ७०	०५	०५
		हिन्दी माध्यमलेखन का संक्षिप्त इतिहास				
		पत्रकारिता : भारत में उद्‌भव एवं विकास				
		रेडियो : पत्रकारिता				
		टेलीविजन : पत्रकारिता				
	ईकाई–२	आधुनिक फिल्म पत्रकारिता				
		वीडियो पत्रकारिता				
		इन्टरनेट पत्रकारिता				
		दूरसंचार एवं दूरभाषा में हिन्दी अनुप्रयोग				
		मल्टी मिडिया और हिन्दी				
	ईकाई–३	रेडियो नाटक की प्रविधि				
		रेडियो नाटक की प्रविधि				
		रेडियो : भारत में उद्‌भव एवं विकास				
		रेडियो धारावाहिक मे प्रयुक्त हिन्दी				
		रंगनाटक, पाठ्यनाटक और रेडियो नाटक का अन्तर				
	ईकाई–४	रेडियो संगीत में प्रयुक्त हिन्दी				
		रेडियो आलेख रूपक (डोक्युमेन्ट्री फीचर)				
		रेडियो की हिन्दी भाषा				
		रेडियो की भाषा–विशेषताऐं				
		रेडियो और विज्ञापन				
		कूल अंक एवं क्रेडिट	७०	७०	०५	०५

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिऐ)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिऐ दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कूल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१२ आलोचनात्मक प्रश्न	२:३०	०४	१४	४६
	११ संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – रेडियो संचार के स्रोत – रेडियो रूपक – रेडियो समाचार लेखन – रेडियो फीचर – रेडियो फैंटेसी – रेडियो रूपान्तरण – रेडियो वार्ता प्रस्तुतीकरण – रेडियो उद्घोषणा लेखन		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिऐ)	२:३०			७०

सूचना :

– नियमित एवं बाहय परिक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र समान रहेगा ।

– प्रश्नपत्र का समय २:३० घंटे का रहेगा ।

– नियमित एवं बाहय परिक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

(१) रंग – परंपरा – नेमिचंद्र जैन, प्र. वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली – १

(२) दृश्य – अदृश्य – नेमिचंद्र जैन, प्र. वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

(३) रंगकर्म और मीडिया – डॉ. जयदेव तनेजा, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, १३/४७६१, अंसारी रोड, दरियागंज, नयी दिल्ली – १

(४) पट कथा लेखन : फिचर फिल्म – उमेश राठौर, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली

(५) रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता – डॉ. हरिमोहन, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली

(६) हिन्दी रंगमंच : दशा और दिशा – डॉ. जयदेव तनेजा, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली

(७) रेडियो नाटक की कला – डॉ. सिद्धनाथ कुमार, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली

(८) टेलिविजन लेखन – असगर वजाहत, प्रभात रंजन, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली

(९ आधुनिक जनसंचार और हिन्दी – डॉ. हरिमोहन, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली

)

भक्तकवि नरसिंह महेता विश्वविद्यालय-खडिया(जूनागढ-गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
अनुस्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम
वर्ष - २०१८

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमाकं	मुख्य							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीष8क	मध्यकालीन हिन्दी काव्य							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१८	०१	०३		०२	२	० ६	१
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी बाह्य परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०२	मुख्य	०५	३०	७०	-	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- ☐ पाठ्यक्रम से संबंधित छात्र कबीर, तुलसी, बिहारी एवं रसखान ने जीवन-वृत को जानें ।
- ☐ प्रस्तुत पाठ्यक्रम में अध्ययनरत छात्र को बिहारी की लौकिक-अलौकिक दार्शनिकता को विस्तार से जानें ।
- ☐ छात्रगण हिन्दु-मुस्लिम ळेक्य की पीठिका पर रसखान का महत्व जानें ।
- ☐ छात्रगण वर्तमान जाति, धर्म, साम्प्रदाय की समस्याओं के बीच तुलसी का महत्त्व प्रस्थापित करें ।
- ☐ छात्रगण मध्यकालीन, भक्ति, समाज, संस्कृति एवं राजनीति का वर्तमान परिपेक्ष्य में मूल्यांकन करें ।
- ☐ छात्रगण कबीर की साम्प्रत-महत्ता को विस्तार से जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय			अंक		क्रेडिट	
					नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
अनुस्नातक	ईकाई-१	**'कबीरबानी'**	- कबीर का जीवन-वृत	- भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'कबीरबाणी' का मूल्यांकन	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें. प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें. प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	०५	०५
			- कबीर-काव्य में व्यक्त दार्शनिकता	- कबीर के मानवतावादी विचार				
			- कबीर की भक्ति-भावना	- कबीर समाज-सुधारक के रूप में				
			- कबीर की योग-साधना	- कबीर काव्य की प्रमुख विशेषताळँ				
	ईकाई-२	**'रामचरितमानस'** **(अयोध्याकांड)**	- तुलसीदास का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	- ओयोध्याकांड का वस्तु-पक्ष				
			- भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'अयोध्याकांड' का मूल्यांकन	- 'अयोध्याकांड' में व्यक्त राम का चरित्र				
			- तुलसी लोक-नायक के रूप में	- तुलसी की समन्वयवादी-भावना				
			- रामचरितमानस के प्रेरणा-स्रोत	- अयोध्याकांड में वर्णित चित्रकूट-सभा				
			- 'रामचरितमानस' का महाकाव्य के रूप में मूल्यांकन	- अयोध्याकांड में व्यक्त राम-भरत मिलन				
	ईकाई-३	**'बिहारी नवनीत'**	- बिहारी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	- भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'बिहारी नवनीत' का मूल्यांकन				
			- बिहारी की भक्ति-भावना	- बिहारी के काव्य में व्यक्त श्रृंगारिकता				
			- बिहारी के नीति-विषयक दोहों का मूल्यांकन	- बिहारी काव्य में व्यक्त प्रेम एवं श्रृंगार				
			- बिहारी की बहुज्ञता	- सतसई परम्परा में बिहारी सतसई का स्थान				
	ईकाई-४	**रसखान का काव्य**	- रसखान व्यक्तित्व एवं कृतित्व	- भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से रसखान के काव्य का मूल्यांकन				
			- रसखान के काव्य में व्यक्त प्रकृति-चित्रण	- रसखान की प्रेमानुभूति				
			- रसखान का 'रस की खान' के रूप में मूल्यांकन	- रसखान की भक्तिभावना				
			- रसखान काव्य में व्यक्त श्रृंगारिकता	- रसखान काव्य की विशेषताळँ				
			कुल अंक एवं क्रेडिट		७०	७०	०५	०५

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिळ)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी ळक या दो विषय पर केंन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिळ दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभानन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१२ आलोचनात्मक प्रश्न		०४	१४	५६
	२२ संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – कबीर की उलटबासियाँ – कबीर के माया संबंधी विचार – कबीर की भाषा – कबीर का रहस्यवाद – कबीर के राम – रामचरित मानस की मौलिकता – तुलसी की भक्ति भावना – तुलसी की दार्शनिकता – तुलसी की राम-राद्रय की कल्पना – बिहारी का नख-शिख वर्णन – बिहारी की भाषा – बिहारी सतसई में व्यक्त प्रकृति चित्रण – बिहारी की दार्शनिकता – रसखान की राधा – रसखान के कृष्ण – रसखान की गोपियाँ – रसखान की भाषा – रसखान का सौदर्य-चित्रण	२:३०	०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिळ)	२:३०			७०

सूचना :
- नियमित एवं बाहय परिक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र समान रहेगा ।
- प्रश्नपत्र का समय २:३० घंटे का रहेगा ।
- नियमित एवं बाहय परिक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : कबीर वाणी	पाठ्य पुस्तक : रामचरित मानस अयोध्याकांड	पाठ्य पुस्तक : बिहारी नवनीत	पाठ्य पुस्तक : रसखान – ग्रंथावली
संपादक : डॉ. पारसनाथ तिवारी	संपादक : गोस्वामी तुलसीदास	संपादक : रवीन्द्रकुमार नैन	संपादक : देशराजसिंह भाटी
प्रकाशक : राका प्रकाशन, इलाहाबाद	प्रकाशक : रामनारायणलाल बेनी प्रसाद इलाहाबाद-२	प्रकाशक : नेशनल पब्लिशिंग हाउस, २३, दरियागंज, नई दिल्ली-१७०२	प्रकाशक :सीताराम पुस्तकालय, विसराम बाजार, मथुरा, मो. ०९८३७६५४००७

संदर्भ ग्रंथ :

(१) कबीर मीमांसा – रामनाथ तिवारी, प्र. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(२) कबीर : व्यक्तित्व, कृतित्व और सिद्धांत – डॉ. सरनामसिंह शर्मा, प्र. हिन्दी प्रकाशन संस्थान, वाराणसी
(३) कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
(४) गोस्वामी तुलसीदास : व्यक्तित्व, दर्शन-साहित्य- डॉ. रामदत्त भारद्वाज, प्र. हिन्दीप्रचारक संस्थान, वाराणसी
(५) तुलसी काव्य मीमांसा : डॉ. उदयभानु सिंह, प्र. राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
(६) तुलसी काव्य : नये पुराने संदर्भ : रामबाबू शर्मा, प्र. वाणी प्रकाशन, दिल्ली
(७) बिहारी सतसई – देवेन्द्रनाथ शर्मा, प्र. वाणी प्रकाशन, दिल्ली
(८) बिहारी का नया मूल्यांकन : बच्चनसिंह, प्र. हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी
(९) मुक्तक काव्य परंपरा और बिहारी – राम सागर तिवारी – प्र. अशोक प्रकाशन, दिल्ली .
(१०) रसखान और उनका काव्य – डॉ. दशरथ राज, रंजन प्रकाशन, आग्रा – ३
(११) कबीर और महात्मा फुले की कविता – डॉ. बी. डी. मुंडे- विकास प्रकाशन, कानपुर
(१२) कबीर और महात्मा फुले – डॉ. बी. डी. मुंडे – विकास प्रकाशन, कानपुर
(१३) कबीर ढाई आखर प्रेम का – डॉ. बी. डी. मुंडे- विकास प्रकाशन, कानपुर
(१४) ळक कबीर और – डॉ. सुजाता वर्मा – विकास प्रकाशन, कानपुर
(१५) कबीर और तुकराम का सामाजिक दर्शन – डॉ. त्रिवेणी सोनोने – विकास प्रकाशन, कानपुर
(१६) संत कबीर और संत तुकड़ोजी के हिन्दी – डॉ. संगीता जगताप – विकास प्रकाशन, कानपुर
(१७) कबीर और तुकराम का सामाजिक विचार – डॉ. रघुनाथ गणपति देसाई – विकास प्रकाशन, कानपुर
(१८) कबीर विमर्श – डॉ. इशरत खान – विकास प्रकाशन, कानपुर
(१९) कबीर ग्रंथावली – श्यामसुन्दर दास – विकास प्रकाशन, कानपुर
(२०) कबीर और अखा के काव्य में समाज-विमर्श – डॉ. शैलेश के. महेता – केश्लस२ पब्लीकेशन, भोपाल
(२१) कबीर और तुकराम के सामाजिक विचार – डॉ. रघुनाथ गणपति देसाई – विकास प्रकाशन, कानपुर
(२२) कबीर निराला और मुक्तिबोध – डॉ. ललिता अरोड़ा – विकास
(२३) रामचरितमानस में हास्य व्यंग्य – डॉ. आरती आर. राठौर – विका
(२४) रामचरितमानस और राजचन्द्रिका शिल्प विधान का तुलनात्मक अध्ययन – डॉ.
(२५) रामचरितमानस के चरित्र-सृष्टि – योगेश दुबे– विकास प्र
(२६) रामचरितमानस का शैली वैज्ञानिक अध्ययन – डॉ. आशुतोष मि –
(२७) रामचरितमानस युग सन्दर्भ में (भाग-१)– डॉ. रामप्यारी धुवे– विका
(२८) बिहारी सतसई और रत्नाकर वर्गीकृत भरतेश वैभव तुलनात्मक अध्ययन – डॉ. एस.
(२९) तुलसी एवं महात्मा कबीर के साहित्यों की प्रासंगिकता –
(३०) कबीर साहित्य में नीति तत्व-श्रीमति उर्मिला मिश्रा – अभय प्र
(३१) रामचरितमानस के चार संभाषण – प्रा. सो. माधुरी शिवाजीराव पाटील – अ
(३२) रामचरितमानस और रामचंद्रिका : शिल्प विधान का तुलनात्मक अध्ययन – डॉ. गीता सिंह – अभय प्रकाशन, कानपुर (३३)
(३३) रामचरितमानस में चरित्र-सृष्टि – डॉ. योगेश दुबे – अभय प्रकाशन, कानपुर
(३४) बिहारी का सामाजिक शब्दकोश – डॉ. शकुन्तला पांचाल – अभय प्रकाशन, कानपुर
(३५)
(३६) कबीर : ळक नई दृष्टि – डॉ. रघुवंश – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(३७) कबीर ग्रंथावली – रामकिशोर शर्मा (सं.) – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(३८) कबीर, सूर, तुलसी – डॉ. योगेन्द्रप्रताप सिंह – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(३९) तुलसी – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(४०) रामचरितमानस : अयोध्या काण्ड – डॉ. योगेन्द्रप्रताप सिंह – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(४१) बिहारी रत्नाकर – जगन्नाथदास रत्नाकर – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(४२) बिहारी का नया मूल्यांकन – डॉ. बच्चन सिंह – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(४३) कबीरदास और शिशुनाम शरीफ का तुलनात्मक अध्ययन – डॉ. शाकिरा खानम – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(४४) कबीर और तुकाराम के काव्य में प्रगतिशील चेतना – डॉ. सुनील कुलकर्णी – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(४५) संत कबीर और तुकराम के काव्य में प्रासंगिकता – डॉ. ज्ञानेश्वर गाड – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(४६) कबीर का शिक्षा दर्शन – ऊषारानी सिंह कबीर विमर्श – डॉ. इशरत खान – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(४७) कबीर विमर्श – डॉ. इशरत खान – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(४८) गोस्वामी तुलसीदास व्यक्ति और काव्य – डॉ. रमेशचन्द्र शर्मा – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(४९) तुलसी काव्य में श्रृंगार – डॉ. स्टेल्लाम्मा – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(५०) कबीर आखर प्रेम का – डॉ. बी. डी. मुंडे – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(५१) कबीर और जायसी – डॉ. पुरुषोत्तम बाजपेयी – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(५२) कबीर निराला और मुक्तिबोध – डॉ. ललिता अरोड़ा – विद्या प्रकाशन, कानपुर

(६३) प्रेमचन्द का कथासाहित्य : दलित चिन्तन के परिप्रेक्ष्य में
– डॉ. अर्चना घोटे – विद्या प्रकाशन, कानपु
(६
४) मध्यकालीन संत साहित्य और मानव मूल्य
– डॉ. सुनीता धानुका अग्रवाल – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(६
५) विहारी रत्नाकर – श्री जगन्नाथ रत्नाकर – विद्या प्रकाशन,
कानपुर
(६
६) मध्यकाल के अनमोल रत्न – डॉ. द्रयोति व्यास –
विद्या प्रकाशन, कानपुर
(६
७) मध्यकालीन साहित्य विमर्श – सं. सुधा सिंह –
विद्या प्रकाशन, कानपुर
(६
८) रामचरितमानस में लोकतत्व– रश्मि श्रीवास्तव –
अमन प्रकाशन, कानपुर
(६
९) कबीर : ढाई आखर प्रेम का – डॉ. बी. डी. मुण्डे-
अमन प्रकाशन, कानपुर
(७
०) ळक कबीर और – डॉ. सुजाता वर्मा – अमन प्रकाशन,
कानपुर
(७
१) कबीर विमर्श – डॉ. इशरत खान – अमन प्रकाशन, कानपुर
(७
२) गोस्वामी तुलसीदास व्यक्ति और काव्य
–डॉ. रमेशचन्द्र शर्मा, डॉ. रूचि बाजपेयी
– अमन प्रकाशन, कानपुर
(७
३) कबीर और आधुनिक हिन्दी काव्य – डॉ. ललिता राठौड
– अमन प्रकाशन, कानपुर
(७
४) कबीर ग्रन्थावली – सं. श्याम सुन्दर दास
– अमन प्रकाशन, कानपुर
(७
५) कबीरदास सृष्टि और दृष्टि – डॉ. परदेशी, डॉ. देवर
– अमन प्रकाशन, कानपुर
(७
६) अयोध्याकांड सटीक – डॉ. सतीश कुमार
– अशोक प्रकाशन, नई सडक, दिल्ली
(७
७) कबीर–वाणी – डॉ. भगवत्स्वरूप मिश्र
– विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा

भक्तकवि नरसिंह महेता विश्वविद्यालय–खडिया(जूनागढ–गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

अनुस्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१८

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमाक	मुख्य								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षठिक	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)								
पाठ्यक्रम (पेपर) का इकाई क्रम	१८	०१	०३		०२	१	०७	१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी बाह्य परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०२	मुख्य	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- ☐ हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल को पढ़ छात्रगण प्रस्तुत काल के निर्माण की परिस्थितियों को जानें ।
- ☐ प्रस्तुत पाठ्यक्रम को पढ़कर पाठकगण पुनर्जागरण, नवजागरण, पुनरुत्थान की चेतना से अवगत होंगे ।
- ☐ छात्रगण प्रस्तुत पाठ्यक्रम को पढ़कर देशप्रेम की बलवती भावना से परिचित होगें ।
- ☐ छात्रगण प्रस्तुत पाठ्यक्रम अध्ययन के माध्यम से इतिहास में व्यक्त विभिन्न दर्शनों को जानें ।
- ☐ हिन्दी साहित्य के आधुनिक युग को पढ़कर पाठक मनुष्य की अधुनातन मानसिकता को जानें ।
- ☐ छात्रगण प्रस्तुत पाठ्यक्रम को पढ़कर नये साहित्यिक स्वरूपों से परिचित होंगे ।
- ☐ छात्रगण आधुनिक हिन्दी साहित्य के इतिहास को पढ़कर नये साहित्यिक स्वरूपों में आये वैचारिक आन्दोलनों को जानें ।
- ☐ छात्रगण प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अध्ययन से गद्यसाहितय रूपों का उद्भव एवं विकास समझें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय		अंक		क्रेडिट	
				नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
अनुस्नातक	ईकाई–१	– आधुनिक काल की परिस्थितियाँ	– आधुनिक काल की साहित्यिक प्रवृतियाँ	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें. प्रश्न × अंक ०४ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें. प्रश्न × अंक ०४ × १४ = ७०	०४	०४
		– आधुनिक काल का नामकरण	– आधुनिक काल–काल सीमा निर्धारण एवं उपविभाजन की समस्या				
		– आधुनिक काल 'गद्य काल' के रूप में	– भारतेन्दु युग (पुनःजागरण काल) : प्रमुख साहित्यकार एवं उनकी रचनाऐँ				
		– भारतेन्दु युग की प्रमुख काव्य–प्रवृत्तियाँ	– द्विवेदी युग (जागरण, सुधार काल) : प्रमुख साहित्यकार एवं उनकी रचनाऐँ				
	ईकाई–२	– द्विवेदी युग की प्रमुख काव्य–प्रवृत्तियाँ	– छायावाद युग : प्रमुख साहित्यकार एवं उनकी रचनाऐँ				
		– छायावाद की प्रमुख काव्य प्रवृत्तियाँ	– हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा : प्रमुख कवि और उनकी रचनाऐँ				
		– हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ	– हिन्दी की हालावादी काव्यधारा – प्रमुख कवि की रचनाऐँ				
		– हिन्दी की हालावादी काव्यधारा की प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियाँ	– प्रगतिवाद : प्रमुखकवि एवं उनकी रचनाऐँ				
	ईकाई–३	– प्रगतिवादी काव्यधारा की प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियाँ	– प्रयोगवादी काव्यधारा : प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाऐँ				
		– प्रयोगवादी काव्यधारा की प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियाँ	– नई कविता के प्रमुख कवि, उनकी रचनाऐँ एवं साहित्यिक प्रवृत्तियाँ				
		– हिन्दी नाटक : उद्भव एवं विकास	– हिन्दी उपन्यास : उद्भव एवं विकास				
		– हिन्दी कहानी : उद्भव एवं विकास	– हिन्दी निबंध : उद्भव एवं विकास				
	ईकाई–४	– हिन्दी आलोचना : उद्भव एवं विकास	– हिन्दी संस्मरण : उद्भव एवं विकास				
		– हिन्दी रेखाचित्र : उद्भव एवं विकास	– हिन्दी जीवनी : उद्भव एवं विकास				
		– हिन्दी आत्मकथा : उद्भव एवं विकास	– हिन्दी रीपोर्ताज : उद्भव एवं विकास				
		– हिन्दी का यात्रा साहित्य : उद्भव एवं विकास	– हिन्दी की पत्र–पत्रिकाऐँ : उद्भव एवं विकास				
		कुल अंक एवं क्रेडिट		७०	७०	०४	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिऐ)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी ऐक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिऐ दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१२ आलोचनात्मक प्रश्न	२:३०	०४	१४	५६
	२२ संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – साठोत्तरी हिन्दी कविता – खड़ी बोली गद्य निर्माता – रहस्यवाद – हिन्दी का एकांकी साहित्य – हिन्दी का व्यंग्य साहित्य – हिन्दी गीति काव्य – द्विवेदी युगीन प्रबन्ध काव्य – रहस्यवाद की प्रमुख काव्य प्रवृत्तियाँ – हिन्दी का साक्षात्कार साहित्य – हिन्दी का डायरी साहित्य		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	२:३०			७०

सूचना :		
– नियमित एवं बाहय परिक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र समान रहेगा । – प्रश्नपत्र का समय २:३० घंटे का रहेगा । – नियमित एवं बाहय परिक्षार्थी के लिए पाठ्यकम समान रहेगा ।	**पाठ्य पुस्तक : हिन्दी साहित्य का इतिहास** **संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा** प्रकाशक : वासुकि कृपा ओफसेट, राजकोट	**पाठ्य पुस्तक : साहित्य स्वरूप : उद्‌भव एवं विकास** **लेखक** : डॉ. बी. के. कलासवा प्रकाशक : पैरेडाईन पब्लिशर्स, जयपुर

संदर्भ ग्रंथ :

(१) हिन्दी साहित्य का इतिहास – सं. डॉ. नगेन्द्र

(२) हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ – शिवकुमार शर्मा

(३) आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. बच्चनसिंह, प्र. लोकभारती प्रकाशन, इलहाबाद

(४) द्वितीय महा समरोत्तर साहित्य का इतिहास – डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, प्र. राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली

(५) हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चनसिंह, प्रा. राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली – ५१

(६) हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. विजयेन्द्र स्नातक, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली – १

(७) आधुनिकता से उत्तर आधुनिकता – मोहम्मदरफी हंचिनाल – विद्या प्रकाशन, कानपुर

(८) आधुनिक हिन्दी काव्य नाटक – डॉ. जे. अविका देवी – विद्या प्रकाशन, कानपुर

(९) आधुनिक हिन्दी साहित्य की प्रवृतियाँ – डॉ. भरत पटेल – विद्या प्रकाशन, कानपुर

(१०) हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि – प्रा. राठौड़ बालू – विद्या प्रकाशन, कानपुर

(११) हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि – डॉ. पंडित बन्ने – विद्या प्रकाशन, कानपुर

(१२) आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे – विद्या प्रकाशन, कानपुर

(१३) हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. रामसजन पाण्डेय – विद्या प्रकाशन, कानपुर

(१४) हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. ईश्वरदत्त शील – विद्या प्रकाशन, कानपुर

(१५) हिन्दी साहित्य का समग्र इतिहास – डॉ. रमेशचन्द्र शर्मा – विद्या प्रकाशन, कानपुर

(१६) हिन्दी नवजागरण और सीमन्तनी उपदेश – राठोड पुंडलीक – विद्या प्रकाशन, कानपुर

(१७) छायावादी कविता में राष्ट्रीय सांस्कृतिक चेतना – डॉ. उषाकुमारी के. पी. – विद्या प्रकाशन, कानपुर

(१८) उत्तर छायावादी काव्यधारा के परिप्रेक्ष्य में डॉ. शिवमंगलसिंह 'सुमन'– डॉ. शोभना तिवारी – विद्या प्रकाशन, कानपुर

(२८) छायावाद की खड़ी बोली और प्रसाद – डॉ. कृपाशंकर पाण्डेय – विद्या प्रकाशन, कानपुर

(२९) छायावादी काव्य में राष्ट्रीयता – डॉ. अशफ़ाक सिकलगर – विद्या प्रकाशन, कानपुर

(३०) उत्तरशती का हिन्दी साहित्य तिलक – राज गोस्वामी का गद्य साहित्य – डॉ. संस्कृति राजहंस – विद्या प्रकाशन, कानपुर

(३१) अहिंदी भाषियों का हिन्दी साहित्य में योगदान – डॉ. मधु खराटे – विद्या प्रकाशन, कानपुर

(३२) हिन्दी के राष्ट्रीय काव्यधारा के अल्पज्ञात कवि – डॉ. सुधांशु किशोर मिश्र – विद्या प्रकाशन, कानपुर

(३३) दक्षिण भारत में हिन्दी – सं. डॉ. रमेश शर्मा – विद्या प्रकाशन, कानपुर

(३४) खड़ी बोली रामकाव्यों में चित्रित समाज, संस्कृति – डॉ. मनोहर सराफ – विद्या प्रकाशन, कानपुर

(३५) मध्ययुगीन भक्तिकाव्य के वैचारिक सरोकार – डॉ. शिवप्रसाद शुक्ल

(३६) साहित्य और परिवेश – वेदप्रकाश 'अमिताभ'

(३७) छायावाद की सही परख पहचान – डॉ. सूर्यप्रसाद दीक्षित – अमन प्रकाशन, कानपुर

(३९) आधुनिक हिन्दी साहित्य की प्रवृतियाँ – डॉ. भरत पटेल– अमन प्रकाशन, कानपुर

(४०) छायावादोत्तर हिन्दी कविता – डॉ. प्रतिभा गुर्जर – अमन प्रकाशन, कानपुर

(४१) हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. माधव सोनटक्के– अमन प्रकाशन, कानपुर

(४२) छायावादी काव्य में राष्ट्रीयता – डॉ. अशफ़ाफ सिकलगर – अमन प्रकाशन, कानपुर

(४३) हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. ईश्वरदत्त शील – अमन प्रकाशन, कानपुर

(१
९) हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. माधव सोनटक्के – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२
०) हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल – डॉ. ईश्वर दत्तशील – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२
१) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य एवं साहित्यकार – डॉ. नामदेव उतकर – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२
२) हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२
३) हिन्दी साहित्य की युगीन प्रवृत्तियाँ – डॉ. नामदेव उतकर – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२
४) उत्तरशती का हिन्दी साहित्य – डॉ. सुरेशकुमार जैन – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२
५) हिन्दी साहित्य में युगीन बोध – सं. डॉ. शैलजा भारद्वाज – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२
६) स्वाधीनता आन्दोलन और निराला – डॉ. अनिलकुमार राय – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(२
७) आधुनिक हिन्दी साहित्य विविध परिदृश्य – डॉ. पंडित बन्ने– विद्या प्रकाशन, कानपुर

भक्तकवि नरसिंह महेता विश्वविद्यालय–खडिया(जूनागढ–गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
अनुस्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम
वर्ष – २०१८

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी भाषा (व्यावहारिक)								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१८	०१	०३		०२	२	०८	१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी बाह्य परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०२	मुख्य	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- ☐ पाठ्यक्रम संबंधित छात्र प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अध्ययन से प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक आर्य–भाषाओं का परिचय प्राप्त करें ।
- ☐ छात्रगण हिन्दी भाषा के विकास क्रम को जानें ।
- ☐ छात्रगण हिन्दी और उसकी बोलियों के बारे में विस्तार से समझें ।
- ☐ छात्रगण हिन्दी वाक्य–रचना से वाक्य–सृजन कौशल्य को और भी प्रशिक्षित करें ।
- ☐ छात्रगण हिन्दी शब्द–रचना को विस्तार से जानें ।
- ☐ छात्रगण हिन्दी के विविध रूपों को समझकर भारतीय भाषा के निर्माण में भारतीय साहित्यकारों का योगदान समझें ।
- ☐ छात्रगण लिपि का इतिहास जानकर लिपि के आवश्यक सुधारों पर अपना मत व्यक्त करें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय		अंक		क्रेडिट	
				नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
अनुस्नातक	ईकाई–१	– प्राचीन भारतीय आर्यभाषाऐं : वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताऐं	– मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाऐं : पाली, प्राकृत, अपभ्रंश (शौरसेनी) अर्धमागधी, मागधी अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे. प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगे. प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	०५	०५
		–आधुनिक भारतीय आर्यभाषाऐं और उनका वर्गीकरण	– हिन्दी शब्द : अर्थ एवं इतिहास				
		– हिन्दी का प्रारम्भिक स्वरूप	– हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान				
	ईकाई–२	– हिन्दी और उसकी उपभाषाऐं	– हिन्दी और उसकी बोलियाँ				
		– भाषा और बोली का अंतःसंबंध	– खड़ी बोली, ब्रज और अवधि की विशेषताऐं				
	ईकाई–३	– हिन्दी शब्द–रचना : उपसर्ग, प्रत्यय, समास	– रूप रचना : लिंग, वचन				
		– कारक व्यवस्था : संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया विशेषण	– हिन्दी वाक्य रचना : पदक्रम और आन्विति				
		– हिन्दी शब्द परम्परा : तत्सम्, तद्भव, देशी, विदेशी					
	ईकाई–४	– हिन्दी के विविध रूप : राष्ट्रभाषा, राजभाषा, सम्पर्क भाषा, माध्यम भाषा, संचार भाषा	– लिपि : उद्भव, विकास तथा विविध रूप				
		– प्राचीन नागरी या नागर–लिपि	– देवनागरी लिपि का उद्भव एवं विकास				
		– देवनागरी लिपि के दोष – अवैज्ञानिकता एवं वैज्ञानिकता	– देवनागरी लिपि का मानकीकरण				
		कुल अंक एवं क्रेडिट		७०	७०	०४	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिऐ)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिऐ दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप				समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१२ आलोचनात्मक प्रश्न				२:३०	०४	१४	५६
	२२ संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी)	– अवहट्ठ	– अव्यय	–हिन्दी का भविष्य		०२	०७	१४
		– कारक	– हिन्दी में स्वराघात	– लिपि सुधार समीक्षा				
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिऐ)				२:३०			७०

सूचना : – नियमित एवं बाहय परिक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र समान रहेगा । – प्रश्नपत्र का समय २:३० घंटे का रहेगा । – नियमित एवं बाहय परिक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।	पाठ्य पुस्तक : **संपादक :** प्रकाशक :

संदर्भ ग्रंथ :

(१) हिन्दी भाषा : संरचना के विविध – आयाम, डॉ. श्रीवास्तव

(२) हिन्दी भाषा का समाजशास्त्र – डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

(३) मानक हिन्दी : स्वरूप और संरचना – डॉ. रामप्रकाश, प्र. राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली – ५१

(४) हिन्दी भाषा का इतिहास – डॉ. भोलानाथ तिवारी, प्र. वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली – २

(५) हिन्दी विकास और संभावनाळँ – डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली – २

(६) हिन्दी भाषा का विकासात्मक अध्ययन – डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, प्र. विनोद पुस्तक मंदिर, आग्रा

(७) हिन्दी और उसकी उपभाषाळँ – डॉ. विमलेश कांति शर्मा, प्र.भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली – २

(९) हिन्दी भाषा एवं व्याकरण – डॉ. मायाप्रकाश पाण्डेय – विद्या प्रकाशन, कानपुर

(१०) मानक हिन्दी का पारम्परिक व्याकरण – शुकदेव शास्त्री – विद्या प्रकाशन, कानपुर

(११) हिन्दी का भाषाविज्ञान – डॉ. रामनिवास गुप्त – विद्या प्रकाशन, कानपुर

(१२) मानक हिन्दी व्याकरण – डॉ. लक्ष्मीकांत पाण्डेय – विद्या प्रकाशन, कानपुर

(१३) भाषाशिक्षण – डॉ. हणमंतराव पाटील – विद्या प्रकाशन, कानपुर

(१४) व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण एवं रचना – डॉ. सराफ, डॉ. गोस्वामी – विद्या प्रकाशन, कानपुर

(१५) भारतीय साहित्य कोश भाग–१, २, ३, ४ – सं. डॉ. सुरेश गौतम – विद्या प्रकाशन, कानपुर

(१६) समकालीन भारतीय साहित्य में आधुनिक युगबोध – डॉ. सुशील, डॉ. रेणु – विद्या प्रकाशन, कानपुर

(१७) भारतीय साहित्य : कुछ परिदृश्य – डॉ. तनुजा मजूमदार – विद्या प्रकाशन, कानपुर

(१८) संत कबीर और संत तुकडोजी के हिन्दी साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन – डॉ. स्नेहमिता शर्मा – विद्या प्रकाशन, कानपुर

(१९) भारतीय साहित्य संवेदनाओं का अनुशीलन – डॉ. हणमंतराव पाटील – अमन प्रकाशन, कानपुर

भक्तकवि नरसिंह महेता विश्वविद्यालय–खडिया(जूनागढ–गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
अनुस्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम
वर्ष – २०१८

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमाकं	मुख्य							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीष8क	भारतीय साहित्य – २							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१८	०१	० ३		०२	२	०९	१
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी बाह्य परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०२	मु ख् य	०५	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- प्रस्तुत पाठ्यक्रम अध्येता हिन्दी–गुजराती पुनर्जागरणकालीन साहित्य का विस्तार से परिचय प्राप्त करें ।
- छात्रगण हिन्दी गुजराती पुनर्जागरण युगीन साहित्य की प्रवृत्तियों के बारे में जानें ।
- छात्रगण भारतीय भाषाओं में लिखित नाटक साहित्य का परिचय प्राप्त करें ।
- छात्रगण गिरीशकार्नाड लिखित 'हयवदन' नाटक का अध्यान्त समझ प्राप्त करें ।
- प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अध्ययन द्वारा छात्रगण भारतीय महिला लेखिकाओं का परिचय प्राप्त करें ।
- प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने से छात्रों में भारतीय आदिवासी समाज की स्थिति की समझ पैदा हो ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय		अंक		क्रेडिट	
				नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
अनुस्नातक	ईकाई–१	– हिन्दी पुनर्जागरणकालीन काव्य–साहित्य का परिचय	– गुजराती पुनर्जागरणकालीन काव्य–साहित्य का परिचय	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें. प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें. प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	०५	०५
		– हिन्दी–गुजराती पुनर्जागरणकालीन काव्य–साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन	– पुनर्जागरणकालीन हिन्दी–गुजराती कविता में राष्ट्रीय–चेतना				
		– पुनर्जागरणकालीन हिन्दी–गुजराती कविता में सांस्कृतिक चेतना	– पुनर्जागरणकालीन हिन्दी–गुजराती कविता में व्यक्त सामाजिक एवं धार्मिक सुधार				
	ईकाई–२	–नवजागरणयुगीन हिन्दी–गुजराती कविता में व्यक्त आर्थिक चेतना	– भारतेन्दुयुगीन विभिन्न परिस्थितियाँ				
		– भारतेन्दुयुगीन साहित्यिक प्रवृतियाँ	– भारतेन्दु हरिश्चंद्र एवं नर्मद के साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन				
		– हिन्दी साहित्य पर गांधी–विचारधारा का प्रभाव	– मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में व्यक्त गांधी–विचारधारा				
	ईकाई–३	– महाश्वेता देवी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'अग्निगर्भ' उपन्यास का कथ्य				
		– उपन्यास कला के आधार पर 'अग्निगर्भ' का मूल्यांकन	– 'अग्निगर्भ' उपन्यास में व्यक्त समस्याएँ				
		– 'अग्निगर्भ' उपन्यास के चरित्रों का चरित्रांकन	– 'अग्निगर्भ' उपन्यास का परिवेश				
		– 'अग्निगर्भ' उपन्यास सामाजिक जागृति और पैगाम के रूप में मूल्यांकन					
	ईकाई–४	– गिरीश कार्नाड का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'हयवदन' नाटक का कथासार				
		– नाट्यकला के आधार पर 'हयवदन' का मूल्याकनं	– 'हयवदन' नाटक के पात्रों का चरित्रांकन				
		– 'हयवदन' नाटक की आधुनिकता	– 'हयवदन' नाटक की प्रतिकात्मकता				
		– 'हयवदन' नाटक में व्यक्त–समस्याएँ	– 'हयवदन' नाटक का मनुष्य की अपूर्णता की वेदनामय कथा के रूप में मूल्यांकन				
		कुल अंक एवं क्रेडिट		७०	७०	०५	०५

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिऴ)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी ऴक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिऴ दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप					समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१२ आलोचनात्मक प्रश्न					२:३०	०४	१४	५६
	२२ संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी)	– पुनर्जागरणयुगीन काव्य में व्यक्त जातीयता	– सुधारवादी आन्दोलन और नर्मद	– 'हयवदन' नाटक का शीर्षक	– 'हयवदन' में संकलन–त्रय		०२	०७	१४
		– भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के नाटकों में राष्ट्रीयता	– 'अग्निगर्भ' उपन्यास की भाषा–शैली	– 'हयवदन' नाटक का उद्देश्य	– 'हयवदन' नाटक की रंगमंचीयता				
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिऴ)					२:३०			७०

सूचना :	पाठ्य पुस्तक : अग्निगर्भ	पाठ्य पुस्तक : हयवदन
– नियमित एवं बाह्य परिक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र समान रहेगा । – प्रश्नपत्र का समय २:३० घंटे का रहेगा । – नियमित एवं बाह्य परिक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।	संपादक : महास्वेता देवी प्रकाशक : राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली	संपादक : गिरीश कर्नाड प्रकाशक : राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

(१) भारतीय साहित्य – डॉ. रामछबीला त्रिपाठी अ प्र. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली – २

(२) तुलनात्मक साहित्य : सिद्धांत और समीक्षा, सं. डॉ. महावीरसिंह चौहान, प्र. पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद

(३) भारतीय साहित्य –सं. मूलचंद गौतम, प्र. राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

(४) भारतीय उपन्यास की अवधारणा और रघुवीर का सृजन, सं. आलोक गुप्ता, रंगद्वार प्रकाशन, मापसा

(५) भारतीय नवलकथा – डॉ. रमणलाल जोशी, प्र. युनिवर्सिटी ग्रंथ निर्माण बॉर्ड, अहमदाबाद

(६) हिन्दी और गुजराती कविता में राष्ट्रीय अस्मिता : लक तुलनात्मक अध्ययन, डॉ. लस२पी२ शर्मा, शान्ति प्रकाशन, रोहतक

(७) तुलनात्मक साहित्य की भूमिका – चौधरी इन्द्रनाथ, प्र. नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली – २

(८) भारतीय भाषाओं के हिन्दी में अनूदित नाटक – डॉ. महेश व्यास, प्र. पार्श्व पब्लिकेशन, रीलिफ रोड, अहमदाबाद

(९) भारतीय साहित्य ऊर्जा और उन्मेष – डॉ. आरसु, प्र. जवाहर पुस्तकालय, हिन्दी पुस्तक प्रकाशन एवं वितरक मथुरा (उ२प्र.)

(१०) अनुवाद चिन्तन दृष्टि और अनुदृष्टि – डॉ. सु. नागलक्ष्मी – विद्या प्रकाशन, कानपुर

(११) प्रायोगिक अनुवाद विज्ञान – डॉ. सराफ, डॉ. गोस्वामी – विद्या प्रकाशन, कानपुर

(१२) दक्षिण भारतीय हिन्दी साहित्य का इतिहास – प्रो. पी. आदेश्वर राव – विद्या प्रकाशन, कानपुर

(१३) अनुवाद सिद्धांत एवं स्वरूप – डॉ. सराफ, डॉ. गोस्वामी – विद्या प्रकाशन, कानपुर

(१४) भारतीय साहित्य : कुछ परिदृश्य – डॉ. तनुजा मजूमदार – अमन प्रकाशन, कानपुर

(१५) समकालीन भारतीय साहित्य में आधुनिक युगबोध – डॉ. सुशील धर्माणी, डॉ. हिंगोराणी – अमन प्रकाशन, कानपुर

भक्तकवि नरसिंह महेता विश्वविद्यालय–खडिया(जूनागढ–गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
अनुस्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम
वर्ष – २०१८

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी का दलित साहित्य								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१८	०१	०३		०२	१	०९	१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी								

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०२	मुख्य	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- ☐ छात्रगण हिन्दी दलित लेखन का इतिहास जानें ।
- ☐ छात्रगण हिन्दी दलित लेखन में समाज–सुधारकों के योगदान को जानें ।
- ☐ छात्रगण दलित चेतना का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप को जानें ।
- ☐ छात्रगण समाज में जीवन वर्ग–संघर्ष की भाषा को प्रस्तुत पाठ्यक्रम के द्वारा निकृष्ट करें ।
- ☐ छात्रगण राष्ट्रीय अस्मिता के विकास में हर जातियों के योगदान को समझें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
अनुस्नातक	ईकाई–१	हिन्दी दलित साहित्य : उद्‌भव एवं विकास	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें. प्रश्न × अंक ०४ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें. प्रश्न × अंक ०४ × १४ = ७०	०४	०४
		दलित चेतना : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप				
		जयप्रकाश कर्दम : व्यक्ति एवं कृतित्व				
		'छप्पर' उपन्यास का कथानक				
		उपन्यास कला के आधार पर 'छप्पर' का मूल्यांकन				
	ईकाई–२	'छप्पर' उपन्यास के पात्रों का चरित्रांकन				
		'छप्पर' उपन्यास में व्यक्त दलित–चेतना				
		'छप्पर' उपन्यास की शिल्प–योजना				
		'छप्पर' उपन्यास में व्यक्त दलित–सौंदर्यशास्त्र				
		'छप्पर' उपन्यास में व्यक्त विभिन्न समस्याएँ				
	ईकाई–३	रूपनारायण सोनकर : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'सूअरदान' उपन्यास का कथानक				
		उपन्यास–कलाके आधार पर 'सूअरदान' का मूल्यांकन				
		'सूअरदान' उपन्यास के चरित्रों का चरित्रांकन				
		'सूअरदान' उपन्यास में व्यक्त दलित चेतना				
	ईकाई–४	'सूअरदान' उपन्यास में वर्ग–संघर्ष				
		'सूअरदान' उपन्यास की शिल्प योजना				
		'सूअरदान' उपन्यास के व्यक्त समस्याएँ				
		'सूअरदान' उपन्यास का सौंदर्यशास्त्र				
		'सूअरदान' उपन्यास में व्यक्त विभिन्न विचारधाराएँ				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	७०	०४	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिऴ)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी ऐक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिऴ दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१२ आलोचनात्मक प्रश्न	२:३०	०४	१४	४६
	११ संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'छप्पर' उपन्यास का शीर्षक – 'छप्पर' उपन्यास की भाषाशैली – 'सूअरदान' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता – 'सूअरदान' उपन्यास की भाषा-शैली – 'छप्पर' उपन्यास का उद्देश्य – 'छप्पर' उपन्यास की संवाद-योजना – 'सूअरदान' उपन्यास का उद्देश्य – 'सूअरदान' उपन्यास की संवाद-योजना		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	२:३०			७०

सूचना :
- नियमित एवं बाह्य परिक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र समान रहेगा ।
- प्रश्नपत्र का समय २:३० घंटे का रहेगा ।
- नियमित एवं बाह्य परिक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : छप्पर

संपादक : जयप्रकाश कर्दम

प्रकाशक : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

पाठ्य पुस्तक : सूअरदान

संपादक : रूपनारायण सोनकर

प्रकाशक : सम्यक् प्रकाशन, नई दिल्ली (३१/३ पश्चिम पुरी)

संदर्भ ग्रंथ :

(१) दलित चेतना साहित्यिक एवं सामाजिक सरोकार, रमणिका गुप्ता, समीक्षा प्रकाशन, २००४

(२) दलित साहित्य का मूल्यांकन, प्रो.चमनलाल, राजपाल प्रकाशन, कश्मीरी गेट, दिल्ली

(३) भारतीय दलित साहित्य : परिप्रेक्ष्य, पुन्नीसिंह-कमलाप्रसाद-राजेन्द्र शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

(४) दलित साहित्य-२००६, डॉ.जयप्रकाश कर्दम, एकता अपार्टमेन्ट, गीता कोलोनी, दिल्ली

(५) अपने-अपने पिंजरे समीक्षात्मक अध्ययन, मोहनदास नैमिशराय, श्री नटराज प्रकाशन,नई दिल्ली

भक्तकवि नरसिंह महेता विश्वविद्यालय–खडिया(जूनागढ–गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
अनुस्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम
वर्ष – २०१८

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	तुलनात्मक साहित्य (सैद्धांतिक–२)								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१८	०१	०३		०२	२	०९	२	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी								

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०२	मुख्य	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- ☐ छात्रगण अनुवाद क्या है, इसको जानें ।
- ☐ छात्रगण अनुवाद–प्रक्रिया में अनुवाद कैसे किया जाय, उससे अवगत हो ।
- ☐ छात्रगण गद्य और पद्य कृतियों के अनुवाद करते समय किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है इससे परिचित हों । उन समस्याओं के यथासम्भव समाधान छात्रों को मिलें ।
- ☐ छात्रगण अनुवाद का भविष्य तथा सीमाओं को जानें ।
- ☐ छात्रगण सांस्कृतिक शब्दों, लोकोक्तियों और मुहावरों के अनुवाद से परिचित हों ।
- ☐ छात्रगण भविष्य में अनुवाद के क्षेत्र में रोजगारी के अवसरों से परिचित हों ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
अनुस्नातक	ईकाई–१	अनुवाद अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें. प्रश्न् × अंक ०४ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न् पूछे जाएँगें. प्रश्न् × अंक ०४ × १४ = ७०	०४	०४
		अनुवाद के प्रकार				
		अनुवाद प्रक्रिया				
		अनुवाद के गुण				
	ईकाई–२	अनुवाद संस्कृति के दूत के रूप में				
		अनुवाद कार्य और सांस्कृतिक संदर्भ				
		अनुवाद प्रवृति के इतिहास की रूपरेखा				
		अनुवाद की उपयोगिता एवं उपादेयता				
	ईकाई–३	अनुवाद प्रक्रिया में भाषाशास्त्र का महत्व				
		सर्जनात्मक और चिन्तनात्मक गद्य–कृतियों के अनुवाद और उसकी समस्याएँ				
		पद्यकाव्य के अनुवाद और उसकी समस्याएँ				
		अनुवाद विज्ञान, शिल्प एवं कला का अंतःसंबंध				
	ईकाई–४	अनुवाद शैलियाँ				
		मुहावरें और लोकोक्तियों के अनुवाद की समस्याऐं				
		विदेशी भाषाओं के अनुवाद की समस्याएँ				
		अनुवाद का भविष्य				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	७०	०४	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिऴ)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी ऐक या दो विषय पर केंन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिऴ दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१२ आलोचनात्मक प्रश्न	२:३०	०४	१४	४६
	१२ संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – सांस्कृतिक शब्दों के अनुवाद की समस्या – अनुवाद में शैलीगत प्रणाली की समस्या – अनुवाद में अनुकूलन की प्रक्रिया – पत्रानुवाद की समस्याएँ – नाट्यानुवाद की समस्याएँ – भावानुवाद – निबंधानुवाद – आंचलिक कथा साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	२:३०			७०

सूचना :
- नियमित एवं बाह्य परिक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र समान रहेगा ।
- प्रश्नपत्र का समय २:३० घंटे का रहेगा ।
- नियमित एवं बाह्य परिक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : अनुवाद भारती
संपादक : डॉ. वी. के. कलासवा
प्रकाशक : शाम्वि प्रकाशन, रोहतक

संदर्भ ग्रंथ :

(१) अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग – कैलाश चंद्र भाटिया, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
(२) अनुवाद विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी, प्र. शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली
(३) हिन्दी अनुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ – सं. रवीन्द्रनाथ श्री वास्तव और गोस्वामी, प्र. आलेख प्रकाशन, दिल्ली
(४) हिन्दी अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग – वासुदेवनंदन प्रसाद, प्र. भारती भवन प्रकाशन, पटना
(५) विदेशी भाषाओं से अनुवाद की समस्याएँ – भोलानाथ तिवारी, नरेश कुमार, प्र. प्रभात प्रकाशन, दिल्ली

भक्तकवि नरसिंह महेता विश्वविद्यालय–खडिया(जूनागढ–गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
अनुस्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम
वर्ष – २०१८

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	विशिष्ट विधा का अध्ययन (हिन्दी उपन्यास–२)								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१८	०१	०३		०२	२	१०	१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी								

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०२	मुख्य	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- ☐ प्रस्तुत पाठ्यक्रम को पढ़कर छात्रगण भारतीय मजदूर–आन्दोलनों के बारे में विस्तार से जाने
- ☐ हिन्दी के राजनैतिक उपन्यास एवं ग्रामिण परिवेश को जाने ।
- ☐ छात्रगण हिन्दी के ऐतिहासिक उपन्यासों का परिचय प्राप्त करें ।
- ☐ छात्र प्रभाखेतान की नारी–चेतना से अवगत हो ।
- ☐ छात्र श्रीलाल शुक्ल का विशेष परिचय पाप्त करे ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय		अंक		क्रेडिट	
				नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
अनुस्नातक	ईकाई–१	– चित्रा मुद्गल : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'आवाँ' उपन्यास का कथासार	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें. प्रश्न × अंक ०४ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें. प्रश्न × अंक ०४ × १४ = ७०	०४	०४
		– उपन्यास कला के आधार पर 'आवाँ' का मूल्यांकन	– 'आवाँ' उपन्यास के पात्रों का चरित्रांकन				
		– 'आवाँ' उपन्यास में व्यक्त नारी–चेतना	– 'आवाँ' उपन्यास में व्यक्त नारी समस्याएँ				
		– 'आवाँ' उपन्यास में व्यक्त सामाजिक चेतना	– 'आवाँ' उपन्यास में व्यक्त विभिन्न विचारधाराऐं				
		– 'आवाँ' उपन्यास में व्यक्त आर्थिक चेतना	– 'आवाँ' उपन्यास में चित्रित राजनीतिक चेतना				
	ईकाई–२	– श्रीलाल शुक्ल का जीवन–कृतित्व	– 'रागदरबारी' उपन्यास की कथावस्तु				
		– उपन्यास कला के आधार पर 'रागदरबारी' का मूल्यांकन	– 'रागदरबारी' में पात्र–योजना				
		– 'रागदरबारी' में व्यक्त समस्याएँ	– 'रागदरबारी' में व्यक्त राजनीतिक परिवेश				
		– 'रागदरबारी' में चित्रित ग्रामिण परिवेश	– 'रागदरबारी' में श्रीलाल शुक्ल की विचारधारा				
		– 'रागदरबारी' उपन्यास का परिवेश	– 'रागदरबारी' में मानवीय संवेदना				
	ईकाई–३	– यशपाल : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'दिव्या' उपन्यास का कथानक				
		– 'दिव्या' उपन्यास के पात्रों का चरित्रांकन	– 'दिव्या' उपन्यास का परिवेश				
		– उपन्यास कला के आधार पर 'दिव्या' का मूल्यांकन	– 'दिव्या' उपन्यास में व्यक्त ऐतिहासिकता				
		– 'दिव्या' उपन्यास में व्यक्त समस्याएँ	– 'दिव्या' उपन्यास में निरूपित ऐतिहासिकता एवं कल्पना का समन्वय				
		– 'दिव्या' उपन्यास में व्यक्त नारी–चेतना	– 'दिव्या' उपन्यास में यशपाल की क्रान्तिकरी चेतना				
	ईकाई–४	– प्रभा खेतना : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'छिन्नमस्ता' उपन्यास का कथासार				
		– उपन्यास कला के आधार पर 'छिन्नमस्ता' का मूल्यांकन	– 'छिन्नमस्ता' उपन्यास में व्यक्त समस्याएँ				
		– 'छिन्नमस्ता' उपन्यास की नारी–चेतना	– 'छिन्नमस्ता' उपन्यास में निरूपित मारवाडी समाज				
		– 'छिन्नमस्ता' उपन्यास का परिवेश	– 'छिन्नमस्ता' उपन्यास के पात्रों का चरित्रांकन				
		– 'छिन्नमस्ता' उपन्यास में निरूपित प्रभाखेतान की विभिन्न विचारधाराऐं	– 'छिन्नमस्ता' उपन्यास का उद्देश्य				
		कुल अंक एवं क्रेडिट		७०	७०	०४	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिऐ)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिऐ दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	

		कुल अंक एवं ग्रेडिंट	३०	०७

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१२ आलोचनात्मक प्रश्न	२:३०	०४	१४	५६
	११ संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'आवाँ' उपन्यास का शीर्षक – 'रागदरबारी' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता – 'दिव्या' उपन्यास का शीर्षक – 'छिन्नमस्ता' उपन्यास का शीर्षक – 'आवाँ' उपन्यास का उद्देश्य – 'रागदरबारी' उपन्यास का उद्देश्य – 'दिव्या' उपन्यास की संवाद योजना – 'छिन्नमस्ता' उपन्यास की भाषा शैली – 'आवाँ' उपन्यास की भाषा–शैली – 'रागदरबारी' उपन्यास की संवाद–योजना – 'दिव्या' उपन्यास की भाषा शैली – 'छिन्नमस्ता' उपन्यास में यौन–निरूपण – 'आवाँ' उपन्यास में व्यक्त भारतीय आभूषण प्रियता – 'रागदरबारी' उपन्यास की भाषा–शैली – 'दिव्या' उपन्यास का उद्देश्य – 'छिन्नमस्ता' उपन्यास में विरूपित मारवाडी समाज व्यवस्था		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिऐ)	२:३०			७०

सूचना :
– नियमित एवं बाहय परिक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र समान रहेगा ।
– प्रश्नपत्र का समय २:३० घंटे का रहेगा ।
– नियमित एवं बाहय परिक्षार्थी के लिए पाठ्यकम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : आवाँ
लेखक : चित्रा मुद्गल
प्रकाशक : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

पाठ्य पुस्तक : 'रागदरबारी'
लेखक : श्रीलाल शुक्ल
प्रकाशक : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

पाठ्य पुस्तक : दिव्या
लेखक : यशपालसिंह
प्रकाशक : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

पाठ्य पुस्तक : छिन्नमस्ता
लेखक : प्रभा खेतान
प्रकाशक : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

(१) शोध के नये आयाम – डॉ. बी. के. कलासवाल–शान्ति प्रकाशन, अहमदाबाद
(२) समकालीन हिन्दी उपन्यास – विवेकी राय, प्र. राजीव प्रकाशन, इलहाबाद
(३) साठोत्तरी हिन्दी उपन्यास – विविध प्रयोग : डॉ. कुसुम शर्मा, प्र. श्याम प्रकाशन, जयपुर
(४) हिन्दी उपन्यास – समकालीन विमर्श : डॉ. सत्यदेव त्रिपाठी, – प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली – २
(५) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास बदलते सामाजिक परिप्रेक्ष्य में – उमेशप्रसाद सिंह, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतनल, नयी दिल्ली – २
(६) हिन्दी उपन्यास – उपलब्धियाँ – लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, प्र. राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
(७) हिन्दी उपन्यास : डॉ. सुष्मा धवन, प्र. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
(८) हिन्दी उपन्यास के सौ वर्ष : डॉ. रामदरश मिश्र, प्र. गिरनार प्रकाशन, महेसाणा (उ.गु.)
(९) अद्यतन हिन्दी उपन्यास – डॉ. बिन्दु भट्ट, प्र. पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद
(१०) प्रभा खेतान के उपन्यासों में नारी – डॉ. अशोक मराठे – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(११) चित्रा मुद्गल के कथा साहित्य में नारी – डॉ. राजेन्द्र बाविस्कर – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१२) चित्रा मुद्गल के कथा साहित्य – डॉ. कल्पना पाटील – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१३) प्रभा खेतान के साहित्य में नारी विमर्श – डॉ. कामिनी तिवारी – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१४) यशपाल के उपन्यासों की सामाजिक चेतना – डॉ. भगवान पाठक – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१५) प्रभा खेतान का रचना संसार – डॉ. के आशा – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१६) आधुनिक हिन्दी उपन्यास साहित्य में संस्कृति – सं. प्रा. के. एम. मायावंशी – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१७) चित्रा मुद्गल के कथा साहित्य का अनुशीलन – डॉ. सगीतां जगताप – विद्या प्रकाशन, कानपुर
(१८) भीष्म साहनी के उपन्यासों में यथार्थवादी परिदृश्य – डॉ. मंजूषा के२– अमन प्रकाशन, कानपुर
(१९) मीडिया हूँ मैं – जयप्रकाश त्रिपाठी – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२०) महिला उपन्यासकारों की नारी : प्रगति एवं पीड़ा के आयाम – डॉ. हरिशंकर दुबे – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२१) यशपाल के उपन्यासों का अनुशीलन – डॉ. शकुन्तला वाघ – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२ समकालीन महिला उपन्यासकारों के उपन्यासों में नारी विमर्श – डॉ. मुक्ता त्यागी – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२७) यशपाल के उपन्यासों में मार्क्सवाद – डॉ. मधुबाला यादव – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२८) समकालीन लेखिकाओं के उपन्यासों में स्त्री विमर्श – डॉ. महेन्द्र रघुवंश – अमन प्रकाशन, कानपुर
(२९) अंतिम दशक के हिन्दी उपन्यास और नारी की अस्मिता – डॉ. मीना ढोले – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३०) हिन्दी के महिला उपन्यास लेखन में स्त्री आन्दोलन – भुनेश यादव – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३१) प्रभा खेतान का रचना संसार – के. आशा – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३२) स्त्री–विमर्श के विविध आयाम – डॉ. यशवंत – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३३) तमस उपन्यास में देश विभाजन की त्रासदी – प्रा. दीलिप फोलाबे– अमन प्रकाशन, कानपुर
(३४) प्रगतिशील नाटककार भीष्म साहनी – लवकुमार लवलीन – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३५) महिला उपन्यासकारों की रचनाओं में चेतना के प्रवाह – डॉ. माधुरी सोनटक्क – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३६) यशपाल के उपन्यास – डॉ. प्रमोद पाटील – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३७) समकालीन हिन्दी लेखिकाओं के उपन्यासों में कामकाजी स्त्री – डॉ. प्रेरणा तिवारी – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३८) चित्रा मुद्गल के कथा–साहित्य में नारी – राजेन्द्र बाविस्कर – अमन प्रकाशन, कानपुर
(३९) महिला उपन्यासकार : लक मूल्यांकन – डॉ. इशरत खान – अमन प्रकाशन, कानपुर
(४०) महिला रचनाकारों के उपन्यासों में नारी सशक्तिकरण – डॉ. स्वाति नारखेड – अमन प्रकाशन, कानपुर
(४१) समकालीन लेखिकाओं के उपन्यासों में नारी – डॉ. रेखा पाटिल – अमन प्रकाशन, कानपुर
(४२) प्रथम दशक के महिला लेखन में नारी विमर्श – डॉ. मृदुला वर्मा – अमन प्रकाशन, कानपुर
(४३) चित्र मुद्गल का कथा साहित्य –डॉ. कल्पना पाटील – अमन प्रकाशन, कानपुर
(४४) कथाकार उषा प्रियंवदा – डॉ. सुभाष पवार – अमन प्रकाशन, कानपुर
(४५) कथाकार भीष्म साहनी – डॉ. कृष्णा पटेल– अमन प्रकाशन, कानपुर
(४६) भीष्म साहनी के साहित्य का अनुशीलन – डॉ. सुरेश बाबर – अमन प्रकाशन, कानपुर
(४७) साठोत्तरी महिला उपन्यासकारों के उपन्यासों में पात्रों का परिवर्तित मूल्यबोध – डॉ. सीता मिश्र – अमन प्रकाशन, कानपुर
(४८) चित्रा मुद्गल के कथासाहित्य का अनुशीलन – डॉ. गोरक्ष थोरात – अमन प्रकाशन, कानपुर

२)

(२

३) आधुनिक नारी एवं महिला सशक्तिकरण - डॉ. अंजू शुक्ला मीडिया और हिन्दी - डॉ. पण्डिल बन्ने- अमन प्रकाशन, कानपुर

(२

४) मीडिया और हिन्दी - डॉ. पण्डिल बन्ने - अमन प्रकाशन, कानपुर

(२

५) स्त्रीवाद और महिला उपन्यासकार - डॉ. वैशाली देशपांडे- अमन प्रकाशन, कानपुर

(२

६) समकालीन महिला लेखन एवं नारी चेतना - सं. गजाला वसीम, डॉ. माली - अमन प्रकाशन, कानपुर

(२

७) हिन्दी उपन्यासों में नारी - डॉ. उषा सपकाले - अमन प्रकाशन, कानपुर

(४९) आधुनिकता : स्त्री विमर्श - डॉ. ललिता राठोड - अमन प्रकाशन, कानपुर

(५०) भीष्म साहनी के उपन्यासों में चित्रित भारतीय सामाजिक और राजनैतिक परिवेश-डॉ. शालिनी एन. सी.-अमन प्रकाशन, कानपुर

(५१) हिन्दी उपन्यास : नारी विमर्श - डॉ. शोभा बेरेकर - अमन प्रकाशन, कानपुर

(५२) यशपाल का कथेतर साहित्य - डॉ. बलीराम घापसे - अमन प्रकाशन, कानपुर

(५३) मीडिया और हिन्दी भाषा का स्वरुप - डॉ. मनीष गोहिल - अमन प्रकाशन, कानपुर

भक्तकवि नरसिंह महेता विश्वविद्यालय–खडिया(जूनागढ–गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
अनुस्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम
वर्ष – २०१८

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमाकं	मुख्य							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीष8क	दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन – २							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१८	०१	०३		०२	२	१०	२
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०२	मुख्य	०५	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- ☐ छात्रगण टेलिविझन के उद्‌भव एवं विकास को जानें ।
- ☐छात्रगण प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करके हिन्दी फिल्मों में प्रयुक्त भाषा–अभिव्यक्ति का प्रशिक्षण प्राप्त करें । ☐ प्रस्तुत पाठ्यक्रम में अध्येता साहित्य का फिल्मांकन कैसे किया जाय , उसका प्रशिक्षण प्राप्त करें ।
- ☐ प्रस्तुत पाठ्यक्रम से संबंधितं छात्र इटरनेटं का प्रयोग समझे ।
- ☐ छात्रगण दृश्य–श्रव्य माध्यमों में हिन्दी भाषा का प्रयोग करते समय किन–किन बतों का ध्यान रखना चाहिऌ, इन बातों से अवगत हो ।
- ☐ छात्रगण मोबाईल, कम्प्यूटर आदि नवीनता दृश्य–श्रव्य उपकरणों में हिन्दी प्रयोग का प्रशिक्षण प्राप्त करें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
अनुस्नातक	ईकाई–१	टेलीविजन : भारत में उद्‌भव एवं विकास	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें. प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाऌँगें प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	०५	०५
		टेलीविजन प्रसारण के विविध रूप				
		फिल्म : भारत में उद्‌भव एवं विकास				
		हिन्दी फिल्मों में प्रयुक्त हिन्दी				
		साहित्य और सिनेमा				
		हिन्दी धारावाहिकों में प्रयुक्त हिन्दी				
	ईकाई–२	हिन्दी सिरियलों में प्रयुक्त हिन्दी				
		हिन्दी टीश्वीश् विज्ञापनों की भाषा				
		टीश्वीश् कार्टून सिरियलों में प्रयुक्त हिन्दी				
		टीश्वीश् बाजार विज्ञापन की भाषा				
		साहित्यिक विधाओं की दृश्य–श्रव्य रूपान्तर–कला				
		टीश्वीश् नाटक की तकनीक				
	ईकाई–३	टेली ड्रामा, टेलीफिल्म, डोक्यूड्रामा तथा टीश्वीश् धारावाहिक में साम्य–वैषम्य				
		इलेक्ट्रीक मीडिया द्वारा प्रसारित समाचारों के संकलन–सम्पादन और प्रस्तुतीकरण की प्रविधि				
		विज्ञापन फिल्मों की प्रविधि				
		मोबाईल फोन में प्रयुक्त हिन्दी				
		इटरनेटं : भारत में उद्‌भव एवं विकास				
		इटरनेटं के विविध रूप				
	ईकाई–४	समाज, सूचना प्रौद्योगिकी और इटरनेटं				
		कम्प्यूटर : भारत में उद्‌भव एवं विकास				
		कम्प्यूटर में हिन्दी भाषा प्रयोग				
		इटरनेटं में प्रयुक्त हिन्दी भाष प्रयोग				
		हिन्दी वेबसाईट परिचय				
		हिन्दी भाषा में प्रयुक्त प्रेस कोन्फरन्स				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	७०	०५	०५

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिळ)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
अनुस्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी इक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिळ दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१२ आलोचनात्मक प्रश्न	२:३०	०४	१४	४६
	११ संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – आकाशवाणी की भाषा – टेलीविजन की लोक-प्रियता – केबल टेलीविजन – किसान उत्पादन विज्ञापनों की हिन्दी – फोटो पत्रकारिता – टेलीविजन में रीपोतार्ज – टेलीकोन्फ्रेन्स की हिन्दी भाषा – टेलीविजन समाचारों की भाषा		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिळ)	२:३०			७०

सूचना : – नियमित एवं बाहय परिक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र समान रहेगा ।
– प्रश्नपत्र का समय २:३० घंटे का रहेगा ।
– नियमित एवं बाहय परिक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

(१) दूरदर्शन : हिन्दी के प्रयोजनमूलक विविध प्रयोग – कृष्ण कुमार रत्तू, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली – २

(२) जन संचार माध्यम : चुनौतियाँ और दायित्व – सं. त्रिभुवन राय, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली – २

(३) संचार क्रांति और हिन्दी पत्रकारिता – अशोक कुमार शर्मा, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली – २

(४) आधुनिक विज्ञान – प्रेमचंद पातंजलि, प्र. वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली – १

(५) जनसंचार : विविध आयाम – व्रजमोहन गुप्त, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली–५१